विस्फोटक दर्पण

अंक 20

नात-जात तोड़े,
हिन्दी एक है जो
सबको जोड़े!

विजन स्टेटमेंट

राष्ट्र हित तथा अपना उद्देश्य "सुरक्षा सर्वोपरि" को दृष्टिगत रखते हुए, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा उनकी टीम उपलब्ध मानव संसाधन तथा ई-तकनिक का अनुकूल उपयोग करते हुए पूर्ण पारदर्शिता लाने तथा तत्पर कार्यपध्दति को समाहित करते हुये सभी अनुज्ञप्तिधारकों, जनसाधारण तथा उद्योंगों को कुशल, दक्ष तथा विनम्र सेवाएं देने के लिए सदैव प्रतिबध्द है।

मुखपृष्ठ परिचय- *वर्तमान कोविड-19 माहमारी में मंत्रालय द्वारा संगठन को ऑक्सीजन मॉनिटरिंग का कार्य सौंपा गया है जिसे संगठन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, जो इस पृष्ठ पर दर्शाने का प्रयास किया गया है।*

अमित शाह
गृह मंत्री
भारत
AMIT SHAH
HOME MINISTER
INDIA

सत्यमेव जयते

प्रिय देशवासियो !

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं !

हमारा देश विविध भाषाओं, बोलियों एवं संस्कृतियों का देश है। भारतीय सभ्यता, संस्कृति, साहित्य एवं दर्शन का गौरवपूर्ण इतिहास हिंदी भाषा में उपलब्ध है। हिंदी देश के सभी भाषा-भाषियों के मध्य भावों और विचारों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। हिंदी भाषा में संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं तथा बोलियों के भाव जीवंत हैं। भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा से ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है।

किसी भी लोकतांत्रिक देश में जनता और शासन के मध्य जन भाषा ही संपर्क भाषा के रूप में सार्थक भूमिका अदा कर सकती है। हिंदी भारत की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। हिंदी एक उन्नत, समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। हिंदी में उच्चारित होने वाली ध्वनियों को व्यक्त करना बड़ा सरल है। हिंदी में जो बोला जाता है वही लिखा जाता है। हिंदी की इन विशेषताओं एवं सर्वाधिक लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए ही भारतीय संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया एवं संविधान में इस संबंध में समुचित प्रावधान किए गए।

अपनी भाषा में मौलिक लेखन और कामकाज से अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और सरल होती है, जो अनुवाद की भाषा से संभव नहीं है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिंदी को सरलतम रूप में अपनाकर राजकीय कामकाज में अधिक से अधिक इसका प्रयोग किया जाए। मैं भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों इत्यादि के कार्यालय प्रमुखों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से अनुरोध करता हूँ कि वे अपने दैनिक और सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करें ताकि कार्यालय के अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अपना कार्य हिंदी में करने की प्रेरणा मिले।

उदारीकरण, भूमंडलीकरण और उपभोक्तावाद के इस युग में देश को आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाने तथा कौशल विकास को प्रोत्साहन देते हुए आम जनता को सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी और स्वास्थ्य सेवाओं जैसे क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी के माध्यम से शिक्षित करने की बहुत अधिक आवश्यकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए राजभाषा विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजभाषा हिंदी का और अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **कंठस्थ** का निर्माण किया है। स्मृति आधारित इस अनुवाद कार्य प्रणाली की विशेषता यह है कि इसमें अनुवादक पूर्व में की गई अनुवाद सामग्री का पुनः प्रयोग कर सकता है जिससे समय की काफी बचत होती है। राजभाषा विभाग द्वारा जन-साधारण के लिए **लीला हिंदी प्रवाह मोबाइल ऐप** तैयार किया गया है जिसके माध्यम से 14 विभिन्न भाषा-भाषी अपनी अपनी मातृभाषाओं में निःशुल्क हिंदी सीख सकते है।

संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा और प्रोत्साहन है। संघ की राजभाषा होने के कारण हम सभी का यह संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी दृढ़ता और तत्परता के साथ करें, जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन करते हैं। हम स्वयं अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करते हुए अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों से भी राजभाषा अधिनियमों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं ताकि आम आदमी सभी सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ उठा सके।

आइए ! हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा लें कि हम सब मिलकर राजभाषा हिंदी के माध्यम से स्वदेशी विज्ञान की समृद्ध परंपरा को जन-जन तक पहुंचाकर शिक्षित, शक्तिशाली एवं नए भारत का निर्माण करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से हिंदी न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपितु विश्व पटल पर ज्ञान-विज्ञान से परिपूर्ण एवं समृद्ध भाषा के रूप में विश्व भाषा बनेगी।

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएं !

जय हिंद !

(अमित शाह)

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2019

पेसो गान

(संगठन गीत 26 जनवरी 2021, गणतंत्र दिवस के अवसर पर श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक महोदय (संगठन प्रमुख) द्वारा जारी किया गया)

आओ जनहित और सुरक्षा का, ध्यान धरें हम।
संगठन हमारा पेसो
उस पर अभिमान करें हम।।

1

विस्फोटक, पेट्रोलियम, गैस, परिवहन, भंडारण ।
राष्ट्र हित में सुरक्षा का कर्तव्य किया है धारण ।।
सब की सुरक्षा मानक तय कर जन कल्याण करें हम।
संगठन हमारा पेसो उस पर अभिमान करें हम ।।
आओ जनहित और सुरक्षा का, ध्यान धरें हम।

2

पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण।
जनजीवन की सुरक्षा नीतियों का हो अनुरक्षण ।।
चुनौतियों से लड़ने को बन अभियान चलें हम ।
संगठन हमारा पेसो उस पर अभिमान करें हम।।
आओ जनहित और सुरक्षा का, ध्यान धरें हम।

3

हर अनुज्ञप्त परिसर में सुरक्षा- नियम हो लागू।
रहे शांति और चैनो अमन अविचार अन्याय हो काबू
लक्ष्य-ध्येय है अति पावन, भारत की शान बनें हम ।
संगठन हमारा पेसो उस पर अभिमान करें हम।।
आओ जनहित और सुरक्षा का, ध्यान धरें हम।

शब्द लेखन एवं संगीत संयोजन
द्वारा
🙏😊
पंडित देवाशीष गांगुली

संरक्षक की कलम से

एम. के. झाला
संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
(संगठन प्रमुख)

कोई भी देश स्वभाषा के बिना अपने राष्ट्रीय व्यक्तित्व को मौलिक रूप में परिभाषित नहीं कर सकता। जिस देश के नागरिक आपनी भाषा में सोचें और लिखें, उस देश को सभी सम्मानजनक दृष्टि से देखते है। हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में जो दर्जा मिला है उसे और अधिक पुष्ट करने में हमारी सक्रिय भूमिका बहुत की आवश्यक है। हिन्दी भाषा अत्यंत सरल एवं सहज भाषा है। हम सबकी यह कोशिश होनी चाहिए कि सरकारी काम काज में सरल हिन्दी शब्दों और आम प्रचलित शब्दों का प्रयोग करें जिसे समझने में आसानी हो।

संगठन में राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में उत्तरोत्तर प्रगति के विविध प्रयास किए जा रहें है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण नराकास, नागपुर, द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन एवं हिन्दी पत्रिका में लगातार मिल रहें पुरस्कारों की श्रृंखला में इस वर्ष हिन्दी पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 18 को प्रथम पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही संगठन के आगरा कार्यालय को राजभाषा कार्यान्वयन में प्रथम पुरस्कार मिला है। राजभाषा के प्रचार प्रसार में पिछले वर्ष संगठन का कोलकाता कार्यालय, जो अहिन्दी भाषायी क्षेत्र है, से पहली बार अपनी गृह पत्रिका का प्रकाशन किया गया और इस बार मुंबई कार्यालय द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है और उम्मीद है, आगे सभी अंचल कार्यालय अपनी राजभाषायी गतिविधियां दर्शाती *ई- गृह पत्रिकाओं* का प्रकाशन करेगी।

मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका *विस्फोटक दर्पण* का अंक 19 इस वर्ष *ई पत्रिका* के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। पत्रिका निश्चित रूप से संगठन के कर्मियों में हिन्दी लिखने के प्रति रूझान पैदा करेगी और पाठकों एवं रचनाकारों दोनों का ज्ञानवर्धन करेगी। संगठन के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से मेरा अनुरोध है कि नियमों के अंतर्गत सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ राजभाषा के प्रचार प्रसार में पूर्ण योगदान दें और अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करने का प्रयास करें ।

पत्रिका के सोद्देश्य प्रकाशन एवं संपादक मंडल के अथक प्रयास के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

प्राक्कथन

श्री एस. डी. मिश्रा
(विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी)

मुझे खुशी है कि पिछले वर्ष की ही तरह इस वर्ष भी कार्यालय द्वारा संगठन की गृह पत्रिका "विस्फोटक दर्पण" का यह अंक भी ई पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है निश्चित रूप से राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार हेतु यह अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

सरकारी कामकाज अधिक से अधिक हिंदी में करने के लिए यह भी आवश्यक है कि भाषा को सरल एवं सहज बनाया जाए ताकि यह सभी के लिए बोधगम्य हो तथा इसका प्रयोग बहु आयामी हो सके। उम्मीद है कि यह पत्रिका संगठन के प्रतिभावान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साहित्य, कला एवं लेखन के क्षेत्र में उनकी अभिव्यक्ति सृजित करने एवं राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार को सरल सुलभ तरीके से आगे बढाने में एक मील का पत्थर साबित होगी ।

मुझे विश्वास है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन में पत्रिका अपनी सार्थकता सिद्ध करेगी और सदा पल्लवित-पुष्पित होती रहेगी, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ.....

सरलता, बोधगम्यता और शैली की दृष्टि से विश्व की भाषाओं में हिन्दी महानतम स्थान रखती है। - अमरनाथ झा

संपादकीय

डॉ. वैशाली एस. चिरडे,
हिन्दी अधिकारी

हिन्दी के प्रचार प्रसार के महत् उद्देश्य को लेकर प्रकाशित की जाने वाली संगठन की हिन्दी गृह पत्रिका पिछले वर्ष से *ई पत्रिका* के रूप में प्रकाशित की जा रही है, इसी श्रृंखला में विस्फोटक दर्पण का बीसवां अंक आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करते हुए बेहद खुशी हो रही है। प्रतिवर्ष की ही भांति हमने बहुआयामी रचनाओं और संगठन से संबंधित जानकारी युक्त एक संग्रहणीय संकलन बनाने का प्रयास किया है। अपनी नवीनतम सृजनात्मकता को समेटकर पुनः आपके समक्ष प्रस्तुत है।

वर्तमान कोविड-19 महामारी के परिप्रेक्ष्य में केंद्र सरकार द्वारा समय समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए हमने राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न गतिविधियां ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की। इस माहमारी के कारण सभी कार्यों पर परिणाम हुआ है। लेकिन इस विपरित परिस्थिति में मार्ग निकालते हुए परिस्थिति अनुरूप खुद को ढालने का प्रयास किया है। कार्यालय के सभी बैठकें, आदि ऑनलाइन माध्यम से करना शुरू किया। इसी दिशा में संगठन के प्रतिभावान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनकी अभिव्यक्ति सृजित करने एवं राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार को सरल सुलभ तरीके से आगे बढाने हेतु इस ई-पत्रिका का प्रकाशन किया। इस वर्ष कोविड-19 माहमारी में मंत्रालय द्वारा संगठन को ऑक्सीजन मॉनिटरिंग का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया है जिसे संगठन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, उसी विषय पर एक लेख, रिपोर्ट, कोरोना शब्दों से संबंधित शब्दावली इस अंक की विशेषता है। मुझे बेहद खुशी है कि कार्यालय के अधिकारियों द्वारा तकनीकी लेख एवं अन्य कविताएं प्रस्तुत की है जिसने निश्चित ही पत्रिका को अधिक पठनीय बनाया है। साथ ही गृह मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आदेशों/ का.ज्ञा. को भी पत्रिका में समाहित किया गया है। आशा है कि सभी इस जानकारी से लाभान्वित होंगे और राजभाषा के प्रचार प्रसार का हमारा प्रयास सफल होगा।

मै संगठन के उन सभी रचनाकारों का आभार व्यक्त करती हूं जिनकी रचनाओं ने हमेशा ही हमें पत्रिका हेतु लेख/ कविताएं, आदि भेजते हुए अपना बहुमूल्य योगदान दिया है, फलस्वरूप विस्फोटक दर्पण अंक 19 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन (का-1) द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के लिए सभी बधाई के पात्र हैं। आईए इसी तरह हम सभी अपना योगदान देकर राजभाषा हिन्दी को एक नई उँचाई पर ले जाएं।

राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की शीघ्र उन्नति के लिए आवश्यक है। - महात्मा गाँधी

संरक्षक एवं प्रेरक

श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (संगठन प्रमुख)

प्रधान संपादक

श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी

कार्यकारी संपादक

डॉ. वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी

<u>विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागपुर</u>

क्र.	नाम तथा पदनाम
1.	श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (संगठन प्रमुख)
2.	श्री वी.के. मिश्रा, सं. मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
3.	श्री पी. सीनीराज, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक
4.	श्री ए. बी. तामगाडगे, विस्फोटक नियंत्रक
5.	श्री एस.डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी
6.	श्री के. श्रीनिवासा राव, विस्फोटक नियंत्रक
7.	श्री जमुनालाल राउत, उप विस्फोटक नियंत्रक
8.	डॉ जीवरथीनम डी., उप विस्फोटक नियंत्रक
9.	श्री निनाद गावडे, उप विस्फोटक नियंत्रक
10.	डॉ. वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी
11.	श्री आर.एम. सहारे, लेखा अधिकारी
12.	श्री डी. डी. धकाते, कार्यालय अधीक्षक(अनुज्ञप्ति शाखा प्रमुख)
13.	श्री के. जी. पानतावणे, कार्यालय अधीक्षक(सामान्य शाखा प्रमुख)
14.	श्री एस. टी. पौनीकर, कार्यालय अधीक्षक (तकनीकी शाखा प्रमुख)
15.	श्री सुमित ठाकुर,कनिष्ठ तकनीकी सहायक

अस्वीकरणः पत्रिका में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार रचनाकारों के निजी विचार हैंप्रकाशन समिति का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं हैं

कोविड योद्धा - परदे के पिछे

(पेसो द्वारा मेडिकल ऑक्सीजन मॉनिटरिंग)

एस. डी. मिश्रा,
विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर

जे. राउत,
उप-विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर

भारत में कोविड -19 महामारी, SARS-CoV-2 के कारण होने वाले कोरोना वायरस रोग 2019 (कोविड -19), विश्वव्यापी महामारी का हिस्सा है। भारत में वर्तमान में एशिया में सबसे अधिक मामलो की पुष्टी हुई हैं और 22 अगस्त 2020 को 3 मिलियन अंक के कुल पुष्ट मामलों की संख्या पार करने वाले संयुक्त राष्ट्र और ब्राजील के बाद भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर हैं।

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग और पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) ने अखिल भारतीय औद्योगिक गैस निर्माता संघ (AIIGMA) के सहयोग से मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन, परिवहन और आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो और अंतिम उपयोगकर्ताओं को चिकित्सीय ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु मेडिकल ऑक्सीजन और सिलेंडर के विनिर्माताओं के साथ निकट समन्वय से उत्पादन को बनाए रखने के लिए स्थिति की समग्रता की निगरानी के लिए 04 अप्रैल 2020 को एक निगरानी तंत्र विकसित किया। पेसो ने मेडिकल ऑक्सीजन मॉनिटरिंग के लिए केंद्र सरकार के राज्यवार नोडल अधिकारी के रूप में बीस आईपीईएसएस अधिकारियों को नामित किया।

कोविड -19 के मद्देनजर, पेसो के नोडल अधिकारियों का अंतिम उद्देश्य जिला प्राधिकरण द्वारा सूचित अस्पतालों / मेक शिफ्ट अस्पतालों या किसी अन्य स्थान पर ऑक्सीजन की सुचारू और निर्बाध आपूर्ति करना है। नोडल अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र के प्रत्येक जिले/राज्य में आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा और ऑक्सीजन निर्माण स्थलों के सबसे नजदीकी स्रोत/स्थान का आकलन करता है। नोडल अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र में ऑक्सीजन की अस्थायी मांग और आपूर्ति की निगरानी और रखरखाव भी करता है और इस उद्देश्य के लिए स्थापित जिला अधिकारियों और संकट समूह के साथ समन्वय करता है। पूरे देश में चिकित्सीय ऑक्सीजन की खपत और आपूर्ति की दैनिक रिपोर्ट तैयार की जा रही है और इन निगरानी रिपोर्टों के आधार पर भारत सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं।

निगरानी की शुरुआत से ही पेसो, बेहतर चिकित्सा ऑक्सीजन प्रबंधन के लिए अस्पतालों में ऑक्सीजन उत्पादन पीएसए संयंत्र स्थापित करने और ऑक्सीजन क्रायोजेनिक पात्रों की स्थापना किए जाने की हिमायत करता रहा है। अस्पतालों में ऑक्सीजन क्रायोजेनिक पात्रों के अनुमोदन/अनुज्ञप्तियों को पेसो द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके परिणामस्वरूप अस्पतालों में 100 से अधिक नए क्रायोजेनिक पात्रों को मंजूरी/अनुज्ञप्तियां मिली है।

मेडिकल ऑक्सीजन मॉनिटरिंग में सहायता के लिए और मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पेसो द्वारा कई परिपत्र जारी किए गए..

1. मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान मेडिकल ऑक्सीजन के विनिर्माण और परिवहन की अनुमति देने के लिए सभी राज्य सरकारों को अपने पत्र सं. डी18019/ कार्यान्वयन दिनांक 25.03.2020 द्वारा एडवाइजरी पत्र जारी किया।

2. पेसो ने एनआइसी की मदद से मेडिकल ऑक्सीजन विनिर्माताओं और सिलेंडर भरणकर्ताओं के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग सिस्टम भी विकसित की और पेसो वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए परिपत्र सं. डी-21013/PBL/18-Exp दिनांक 18/04/2020 जारी किया।

3. इस संकट के दौरान चिकित्सीय ऑक्सीजन सिलेंडरों की संभावित कमी की आशंका थी। पेसो द्वारा परिपत्र सं. डी-21013/पीबीएल/18-इएक्सपी दिनांक 22/04/2020 द्वारा इस महामारी संकट के दौरान उपयोग के लिए उच्च दबाव वाले सिलेंडरों को औद्योगिक सेवा से चिकित्सा सेवा में बदलने के लिए सुरक्षित संचालन प्रक्रिया (SOP) जारी की।

4. मेडिकल ऑक्सीजन मॉनिटरिंग के लिए पेसो को दैनिक आपूर्ति/स्टॉक रिपोर्ट जमा करने के लिए मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा आदेश सं. आर.1(1)158/II/2020 दिनांक 24/07/2020 द्वारा एसएमपीवी (यू) नियम 2016 के तहत फॉर्म एलएस-1ए में जारी ऑक्सीजन विनिर्माण संयंत्र भंडारण अनुज्ञप्ति और गैस सिलेंडर नियम 2016 के तहत फॉर्म-ई एंड एफ में जारी ऑक्सीजन भंडारण और भरण अनुज्ञप्ति के लिए अतिरिक्त शर्तें जारी की।

5. द्रवित ऑक्सीजन टैंकरों की कमी को कम करने के लिए, पेसो द्वारा परिपत्र सं. आर.1(1)15/ 11/2020 दिनांक 17/08/2020 द्वारा 31/02/2020 तक कंवर्जन के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए नाइट्रोजन/आर्गन टैंकरों को ऑक्सीजन सेवा में बदलने की अनुमति दी।

कोविड मामलों में वृद्धि के कारण, वैकल्पिक सर्जरी के खुलने और सभी अस्पतालों के नियमित कामकाज के कारण मेडिकल ऑक्सीजन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है ।

लॉकडाउन खुलने के बाद औद्योगिक ऑक्सीजन की बढ़ती जरूरत के कारण मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति पर काफी दबाव है। पूरे देश में मेडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पेसो के नोडल अधिकारी द्रवित ऑक्सीजन विनिर्माताओं, ऑक्सीजन सिलेंडर भरणकर्ता, राज्य सरकार के नोडल अधिकारियों और भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय करते हुए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं।

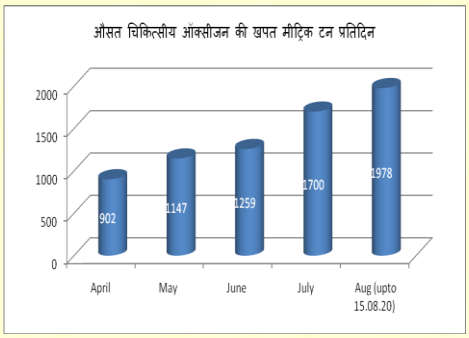

ख़तरा अब भी टला नहीं है

क्यूं इतना बेताब है तू,
ख़तरा अब तक टला नहीं है।
बैरी घात लगा बैठा है।
बैरी अब तक चला नहीं है।
थोड़ी बेपरवाही तेरी,
पड़ सकती है तुझको भारी।
थाम ज़रा कदमों को अपने,
कोविड अब भी खड़ा वहीं है।

रोग बड़ा कोरोना घातक
जिसमें कई चले गए थे।
न भूल ज़रा तू उन लम्हों को,
जिसमें ख़ुद तुम छले गए थे।
डर अपने में रख इस से तू,
इस रोग से कुछ बड़ा नहीं है।
थाम ज़रा कदमों को अपने,
कोविड अब भी खड़ा वहीं है।

श्री एम.के. झाला,
संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (सं.प्र.)

खुश हूं

श्री पी. कुमार,
(संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक),
मुंबई

जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश हूं

काम में खुश हूं, आराम में खुश हूं

आज पनीर नहीं, दाल में ही खुश हूं

आज गाड़ी नहीं, पैदल ही खुश हूं

आज कोइ नाराज है, उसके इस अंदाज से ही खुश हूं

जिस को देख नहीं सकता, उसकी आवाज से ही खुश हूं

जिसको पा नहीं सकता, उसको सोच कर ही खुश हूं

बीता हुआ कल जा चुका है, उसकी मीठी याद में ही खुश हूं

आने वाले कल का पता नहीं, इंतजार में ही खुश हूं

हंसता हुआ बीत रहा है पल, आज में ही खुश हूं

जिंदगी है छोटी, हर पल में खुश हूं

अगर दिल को छुआ, तो जवाब देना

वर्ना बिना जवाब के भी खुश हूं

अखिल भारत के परस्पर व्यवहार के लिए ऐसी भाषा की आवश्यकता है जिसे जनता का अधिकतम भाग पहले से ही जानता-समझता है। - महात्मा गाँधी

मै एक कविता लिखूंगा

श्री वी. के. मिश्रा,
सं-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक,
नागपुर

आप की है इल्तिजा,
एक कविता मै लिखूं,
चांद तारों पर लिखूं,
इश्क या फिर हुस्न पर,
प्रशस्ति के लिए लिखूं,
या बिलखते बच्चों की भूख पर,
मै एक कविता लिखूंगा ।।

सारे मनसूबे लिखूंगा,
सारे अजूबे लिखूंगा,
हर हँसी जो खास थी,
जब तुम उदास थी,
वह सब लिखूंगा।
करूंगा अवश्य यह प्रयास,
लिख दूंगा सब आम और खास
मै एक कविता लिखूंगा ।।

लिखूंगा सत्ता के गलियारे का अट्टाहास,
दिलाऊंगा क्षणभंगुरता का सबको अहसास।
मानवता का लिखूंगा एक और इतिहास,
लिख सकूंगा तो लिख दूंगा पूरा कैलास।
दिल के ज्वाला को शब्दों में पिरोऊंगा,
खुद के लिए भी क्या मैं लिख पाऊंगा?
मै एक कविता लिखूंगा ।।

लिखने की घडी आज जब आयी,
आंख भर आयी अश्कों की घटा छायी
माया रचित संसार से सामना यूं हो गया,
मेरे जैसे सब भले हैं, अपनों से मिलना हो गया
मै एक कविता लिखूंगा ।।

दिल के सब भाव मेरे हिंचकियों में फंस गए,
सारे अक्षर प्रेम के अश्कों में मेरे बह गए,
टूटा नही हूं मै, रिक्त तुणीर को फिर से भरूंगा,
विस्मृत स्मृतियों की याद में,
मै एक कविता लिखूंगा ।।

जुगनुओं की रोशनी में,
काली रात की स्याही से,
चांद की परछाई पर
मै अकिंचन; इतिहास लिखूंगा,
मै एक कविता लिखूंगा ।।

समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है। - (जस्टिस) कृष्णस्वामी अय्यर

बिल्ली और बंदर

श्री पी. कुमार,
संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मुंबई

एक गांव में दो बिल्लियां रहती थी। वह आपस में बहुत प्यार से रहती थीं। उन्हें जो कुछ मिलता था, उसे आपस में बॉटकर खाया करती थी। एक दिन उन्हें एक रोटी मिली। उसे बराबर-बराबर बांटते समय उनमें झगड़ा हो गया । एक बिल्ली को अपनी रोटी का टुकड़ा दूसरी बिल्ली के रोटी के टुकड़े से छोटा लगा। परन्तु दूसरी बिल्ली को अपनी रोटी का टुकडा बड़ा नहीं लगा।

जब दोनों बिल्लियां किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाई तो दोनों बिल्लियां एक बंदर के पास गयीं। उन्होंने बंदर को सारी बात बताई और उससे न्याय करने के लिए कहा। सारी बात सुनकर बंदर एक तराजु लेकर आया और दोनों टुकडे एक-एक पलडें में रख दिये। तोलते समय जो पलड़ा भारी हुआ, उस वाली तरफ से उसने थोड़ी सी रोटी तोड़कर अपने मुंह में डाल ली। अब दूसरी तरफ का पलड़ा भारी हो गया, तो बंदर ने उस तरफ से रोटी तोड़कर अपनें मुंह में डाल ली। इस तरह बंदर कभी इस तरफ से रोटी तोड़कर अपने मुंह में डाल ली। अब दूसरी तरफ का पलड़ा भारी हो गया, तो बंदर ने उस तरफ से रोटी तोड़कर अपने मुंह में डाल ली। इस तरह बंदर कभी इस तरफ से तो कभी उस तरफ से रोटी ज्यादा होने का कहकर रोटी तोड़कर अपने मुंह में डाल लेता।

दोनो बिल्लियां चुपचाप बंदर के फैसले का इंतजार करती रही। परन्तु जब बिल्लियां ने देखा कि रोटी के दोनों टकडे बहुत छोटे-छोटे रह गये तो वह बंदर से बोली कि- “आप चिन्ता ना करें, हम अपने आप बंटवारा कर लेंगी।”

इस पर बंदर बोला- “जैसा आप ठीक समझो, परन्तु मुझे भी मेहनत की मजदूरी मिलनी चाहिए।” इतना कहकर बंदर ने बाकी बचे हुए रोटी के दोनों टुकड़े अपने मुंह में भर लिए और बिल्लियां को वहां से भगा दिया।

दोनों बिल्लियों को अपनी गलती का बहुत दुख हुआ और समझ आ गया कि “ आपस की फूट बहुत बूरी होती है और दूसरे इसका फायदा उठा सकते है।”

गैस त्रासदी- 2.0

डॉ. एम. आई. जेड. अंसारी
उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी

मुझे बतौर दुर्घटनाओं के विश्लेषक लेखक होने के नाते उम्मीद ही नहीं बल्कि पुरा यकीन है कि विस्फोटक दर्पण के सभी पाठकों को पिछली सदी की सबसे भयानक भोपाल गैस त्रासदी की घटना आज भी याद होगी। वह 02/12/1984 एवं 03/12/1984 की काली रात थी जिसने भोपाल शहर को अपने कालग्रस्त में ले लिया था। उस रात को यूनियन कार्बाइड की बंद पडी कारखाने में से जहरीली एम.आई.सी. गैस का रिसाव हुआ था, जो तेज हवा के प्रभाव से पूरे इलाके में फैल गया था। जिसका परिणाम यह हुआ कि भोपालवासियों की नई पीढी आज तक इसे झेल रही है तथा यूनियन गरर्वेमेंट के माध्यम से यूनियन कार्बाइड अभी तक उन्हें इस भयावह त्रासदी का कम्पन्सेशन दे रही है। इस दुर्घटना ने पूरे विश्वजगत को अपने औद्योगिक ईकाइयों से संबंधित सुरक्षा के मानकों में अविलम्ब सुधार करने हेतु प्रेरित किया था। परंतु अत्यंत अफसोस के साथ लिखना पड़ रहा है कि इस त्रासदी के 36 वर्ष बित जाने के पश्चात भी हम अभी तक पूर्ण रूप से सजग नहीं हुए हैं। शुक्र है कि आज सूचना एवं दूरसंचार संवाद प्रोद्योगिकी के विकास की वजह से हम इस दुर्घटना का जीवंत टेलीकास्ट देख कर पूर्व में हुई दुर्घटनाओं की सजग कल्पना अपने मन-मस्तिष्क में कर सकते हैं। वर्ना पहले केवल दुर्घटना के बाद लिये गये श्याम-श्वेत चित्रों से ही अंदाजा लगाया जा सकता था कि कैसे रात के अंधेरे में लाखों लोग चिखते-चिल्लाते हुए पानी की टंकियों के समीप पहुंच कर अपना दम तोड़ने पर मजबुर हो गये होंगे तथा भोपाल रेलवे स्टेशन पर अपने गंतव्य पर पहुंचने वाली ट्रेन रूकने के पहले ही अपने कई यात्रियों को उनके अंतिम गंतव्य पर पहुंचा चुकी थी जहां से फिर कभी कोई लौट कर नहीं आता है।

इस वर्ष वाइजैक, आंध्र प्रदेश शहर में हुई गैस रिसाव की हालिया घटना इस दशक के पाठकों हेतु भोपाल गैस त्रासदी की दुर्घटना का पोस्ट ट्रेलर मात्र है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह दुर्घटना रात के अंतिम पहर में सुर्यादय के पूर्व घटित हुई, जिसके विडियो का प्रसारण पाठक टीवी तथा यू-ट्यूब या अन्य सोशल मिडिया साईट्स के जरिए देख कर यह समझ पाये कि किस तरह चलते-चलते युवक सड़कों पर बेहोश होने लगे, जो प्रात: कालिन भ्रमण पर निकले थे। किस तरह युवतियां घरों में बेसुध होने लगीं, परिंदे दरखतों पर से अपने आप गिरने लगें, रात में दरवाजों की चौखटों पर पहरेदारी करते हुए कुते नींद से ना उठ सके तथा सुबह-सुबह कांव-कांव करने वाले कौएं जिन्हें आज भी लोग पित्रपक्ष में खाना खिलाते हैं, भी अपनी बोली बोलकर उठना भुल गयें। यह तो शुक्र है कि एन.डी.आर.एफ. के जवानों का

जिन्होंने घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया कि कोई वृद्ध या शिशु अपने घर या झोपडियों में बेसुध होकर सोया तो नहीं रह गया अन्यथा मृतकों की संख्या में 12 से काफी वृद्धि हो जाती तथा स्थिति और भयावह हो जाती यदि उन्हें समय रहते विस्थापित ना किया गया होता तथा गंभीर रूप से बीमार लोगों को तुरंत ईलाज मुहैया न करवाया जाता। भारत सरकार ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए तुंरत एक उच्च शक्ति प्राप्त जांच समिति के गठन का आदेश जारी किया। समिति ने इस संबंध में हाल ही में अपनी 319 पृष्ठों की विस्तृत रिपोर्ट अपनी अनुसंशा के साथ संबंधित मंत्रालय को सौप दी है।

आइए, अब हम पाठकों को इस गैस त्रासदी से संबंधित तकनीकी विषयों की जानकारी देते हैं। जैसा कि विदित है कि यह दुर्घटना दिनांक 07/05/2020 को प्रात: 02:42 बजे शहर के मेसर्स एल0जी0 पोलिमर इंडस्ट्री में घटित हुयी। जहां लगभग पिछले 60 वर्षों से स्टाइरिन का भंडारण किया जा रहा था परंतु कोविड-19 महामारी की वजह से लगाए गये लॉकडाउन के कारण दिनांक 24/03/2020 से फैक्ट्री बंद पडी थी। जिसे अनलॉक 1.0 के तहत जल्दी ही प्रारंभ करने की योजना बनाई जा रही थी। इसी वजह से फैक्ट्री के भीतर ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स कामगारों एवं प्रवेक्षकों की संख्या काफी कम थी, केवल संचालक एवं मरम्मत से संबंधित लगभग 15 लोग ही उपस्थित थें। मेसर्स एल0जी0 पोलिमर इंडस्ट्री का गठन सन् 1961 ई0 में हिन्दुस्तान पोलिमर के नाम से किया गया था। जिसे सन् 1976 ई0 में यू.बी. ग्रुप की मैकडॉवल कंपनी ने सन् 1978 ई0 में अधिग्रहित कर लिया था। तत्पश्चात सन् 1997 में दक्षिण कोरिया की कंपनी एल.जी. कैम ने इसे एल0जी0 पोलिमर इंडिया का नाम दिया। यहां स्टाइरीन मोनोमर केमिकल (एस.एम.सी.) का आयात खाड़ी देशों से कर पोलिस्टाइरीन, फाईबर ग्लास रबर, प्लास्टिक, लेटेक्स इत्यादि उत्पादों का निर्माण किया जाता था, जो मूलत: प्लास्टिक इंडस्ट्री और खिलौने आदि के निर्माण में प्रयोग किया जाता है।

घटना के समय परिसर में दौ टैंकों में लगभग 4800 मिट्रिक टन एस0एम0सी0 का भंडारण

मौजूद था। चूंकि एस0एम0सी0 को सदैव 20^0C से कम तापमान पर भंडारण किया जाता है

अन्यथा यह उष्मतापीय एक्सो थर्मिक रनअवे रिएक्शन की वजह से स्वंय पोलिमेराइज हो जाता है तथा स्टाइरिन पोलिमर कम्पाउंड (एस.एम.सी.) बन जाता है। इसलिए इसका भंडारण बिना रेगुलेटेड् रेफरिजरेशन प्रणाली के बैगर नहीं किया जा सकता है तथा उक्त हेतु टैंक फर्म के साथ चिलिंग प्रोसेस यूनिट अनिवार्य रूप से लगाया जाता है क्योंकि स्टाइरिन मोनोमर (स्टेब्लाइजड) केमिकल का फ्लेश प्वाइंट 31^0 C होता है तथा इसका यू0एन0 नं0 2055 एवं सी.एस. नं. 100-42-5, जिसका केमिकल फार्मूला C_8H_8 है तथा इसकी वेपर डेनसिटी 3.6 एवं मोलिकुलर मास 104.2 है तथा यह वर्ग-ख का पदार्थ है जो काफी टॉक्सिक होता है तथा इसका टी.एल.वी. 20 पी.पी.एम. है जिसके इन्हेल करने की अधिकतम समय सीमा 5 मिनट निर्धारित है क्योकि इसका यू0एन0 हर्जाड लेवल क्लासिफिकेशन III है।

दिनांक 07/05/2020 को एक पुराने टैंक में लगभग 800 मिट्रिक टन एस.एम.सी. था तथा दूसरे नये टैंक में क्षमता का 80 प्रतिशत लगभग 3000 मिट्रिक टन एस.एम.सी. का भंडारण था। जिसकी छत इंटर्नल स्ट्रकचर स्पोटेड रूफ की थी, जो संरचना में ठीक न होने की वजह से ओपन टू एटमोस्फियर हो गयी थी। उस दिन वाइजैक शहर का प्रात:कालिन रिकार्डेड तापमान लगभग 35^0 C था। उसी रात लगभग 2:42 बजे टैंक से घने वाष्प उठने लगें तथा रात्रि पाली के उपस्थित कामगार 3:30 बजे तक रेफरीजरेशन प्रणाली को मैन्युवली प्रारंभ ना कर सकें तथा प्रात: 3:45 बजे उन्होंने वाटर स्प्रिंकलर सिस्टम चालू करने में सफलता प्राप्त कर ली परंतु वे टैंक का तापमान कम करने में नाकाम रहे, फलस्वरूप टैंक से अत्यधित मात्रा में एस.एम.सी. का रिसाव होना प्रारंभ हो गया तथा हवा से भारी घनत्व होने की वहज से प्लांट के आसपास के वातावरण में लगभग आधे मील के दायरे में सुबह की बहती हवा में फैल गया। जिससे 585 से ज्यादा लोग बीमार हुए एवं लगभग 12 लोग हताहत हुए तथा लगभग 600 लोगों को रेसक्यू ऑपरेशन कर बचा लिया गया। कारखाने के वरिष्ठ अधिकारियों ने रात होने की वजह से प्रशासन को सूचना देने में देर कर दी, क्योंकि वहां वायु सूचक यंत्र न होने की वजह से गैस रिसाव के बारे में वे अंजान थे। आसपास के गांववालों ने उक्त घटना कि सूचना पुलिस एवं प्रशासन को दी। जिन्होंने बिना समय गंवाये सूबे के गृह सचिव को सचेत किया। उन्होंने तुरंत विस्थापन का आदेश जारी कर एन.डी.आर.एफ. को मौके पर रवाना किया। एन.डी.आर.एफ. के जवानों ने त्वरित कार्यवाही कर घर-घर जाकर लोगों को अचेत नींद से उठकार उन्हें सुरक्षित जगह विस्थापित किया तथा घायलों को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया करवायी। प्रशासन से ई.आर.डी.एम.पी. के तहत फौरन आसपास स्थित अन्य फैक्टियों के उपलब्ध विशेषज्ञों की सहायता से मिटीगेशन का कार्य प्रारंभ किया तथा तकनीशियनों को विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार एच.ई.पी.पी.ए. मास्क उपलब्ध करा कर टैंक को ठंडा करने के काम पर लगाया गया एवं वाष्प को न्यूट्रीलाइज करने हेतु उचित मात्रा में पी.टी.बी.सी. एजेंट उपलब्ध करवाये तथा विंड मीटर एवं गैस डीटेकटर की सहायता से आसपास के इलाकों में गैस रिसाव के लेवल को लगातार

मोनीटर किया गया तथा 1, 2, 3 एवं 4 फीट के भू-तल से उंचाई तक हवा की गुणवता माप कर दूसरे दिन शाम तक समीपवर्ती समस्त क्षेत्रों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित कर दिया गया।

इस दुर्घटना से संबंधित उच्च शक्ति प्राप्त जांच समिति में आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष सचिव श्री नीरभ कुमार प्रसाद (आई.ए.एस.) ने स्वयं व्यक्तिगत रूप से भाग लिया, इनके अतिरिक्त इस उच्च शक्ति प्राप्त जांच समिति में चार अन्य वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी एवं चार विशेषज्ञों की टीम भी इसमें शामिल थी। प्रथम दृष्टिया मौके पर मुआयना करने पधारें विशेषज्ञों की टीम ने अपनी विस्तृत जांच रिपोर्ट में कई विसंगतियों एवं विभिन्न कमियों का पूर्ण उल्लेख किया है, जिसके कुछ महत्वपूर्ण बिंदु पाठकों के सुलभ संदर्भ हेतु प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

1) फैक्ट्री में वायु दिशासूचक यंत्र नहीं था।
2) फैक्ट्री में वाटर करटेन का प्रबंध नहीं था।
3) फैक्ट्री के रेफरीजरेशन सिस्टम में ओटो मोड का प्रावधान नहीं था।
4) फैक्ट्री में प्रशिक्षित टेक्नीकल मैन पावर रात की पाली में उपलब्ध नहीं था।
5) फैक्ट्री में गैस डिटेकटर यंत्र से गैस के रिसाव को नहीं मापा गया।
6) दुर्घटना की सूचना फैक्ट्री द्वारा प्रशासन को समय रहते उचित स्तर पर नहीं दिया गया।
7) ऑपरेशन एंड मैंटेनेन्स के कामगारों के पास उचित एच0ई0पी0पी0ए0 मास्क उपलब्ध नहीं थे।
8) फैक्ट्री में गैस रिसाव को रोकने हेतु न्यूट्रीलाइजिंग एजेंट पी0टी0बी0सी0 का भंडारण नहीं था।
9) फैक्ट्री द्वारा आपदा का संकेत या साइरेन नहीं दिया गया तथा समीपीय आबादी को पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पी0ए0एस0) द्वारा सूचित नहीं किया गया।
10) फैक्ट्री द्वारा कभी भी रन अवे पोलिमेराइजेशन को रोकने हेतु कोई मॉक ड्रिल या थर्ड पार्टी एक्सट्रर्नल सेफ्टी ऑडिट निर्धारित समय पर नहीं करवाया गया जो सीधे तौर पर एम0एस0आई0एच0सी0 नियम 1989 एवं इंवायमेंटल प्रोटेक्शन एक्ट 1986 का घोर उल्लघन है तथा उक्त हेतु मेसर्स एल0जी0 पोलिमर इंडिया लिमिटेड को कभी भी दोष्मुक्त नहीं किया जा सकता है।

मुझे उम्मीद है कि विस्फोटक दपर्ण के समस्त पाठकगण इस घटना का संज्ञान लेगें तथा अपने कर्तव्यों के पालन में ''सुरक्षा सर्वप्रथम'' के विभागीय घ्येय को सदैव प्राथमिकता देंगे।

भाषा के उत्थान में एक भाषा का होना आवश्यक है। इसलिए हिन्दी सबकी साझा भाषा है।
- पं. कृ. रंगनाथ पिल्लयार

COVID-19: संक्रमण और इसका इलाज - प्रोजेक्ट रिपोर्ट

सुमंत चिरडे,
बी.टेक. वर्ष-3
आई.आई.टी.,चेन्नई
पुत्र- डॉ. वैशाली चिरडे,
हि.अ. नागपुर

COVID-19 SARS-CoV-2 के कारण होता है, जो कि एकबीटा कोरोनवायरस (बीटाकोव) है जिसका व्यास 50-200 नैनोमीटर होता है।

SARS-CoV-2 मुख्य रूप से बूंदों के माध्यम से प्रेषित होता है जो तब उत्पन्न होती है जब एक संक्रमित व्यक्ति खाँसता है, छींकता है, या साँस बाहर छोडता है। ये बूंदें हवा में रहने के लिए बहुत भारी होती हैं, और जल्दी से फर्श या सतहों पर गिर जाती हैं।

आप संक्रमित हो सकते हैं यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति के करीब हैं जो COVID-19 संक्रमित है, या दूषित सतह को छूने के बाद आपकी आंखें, नाक या मुंह को छूते है।

SARS-CoV-2 में चार संरचनात्मक प्रोटीन होते हैं, जिन्हें S (स्पाइक), E (एनवलप), M (मेम्ब्रेन), और N (न्यूक्लियोकैप्सिड) प्रोटीन के रूप में जाना जाता है। N प्रोटीन में RNA जीनोम होता है और S, E, और M प्रोटीन साथ में वायरल एनवलप बनाते हैं । स्पाइक प्रोटीन एक मेजबान कोशिका की मेम्ब्रेन के साथ वायरस को संलग्न करने और फ्यूज करने के लिए जिम्मेदार है|

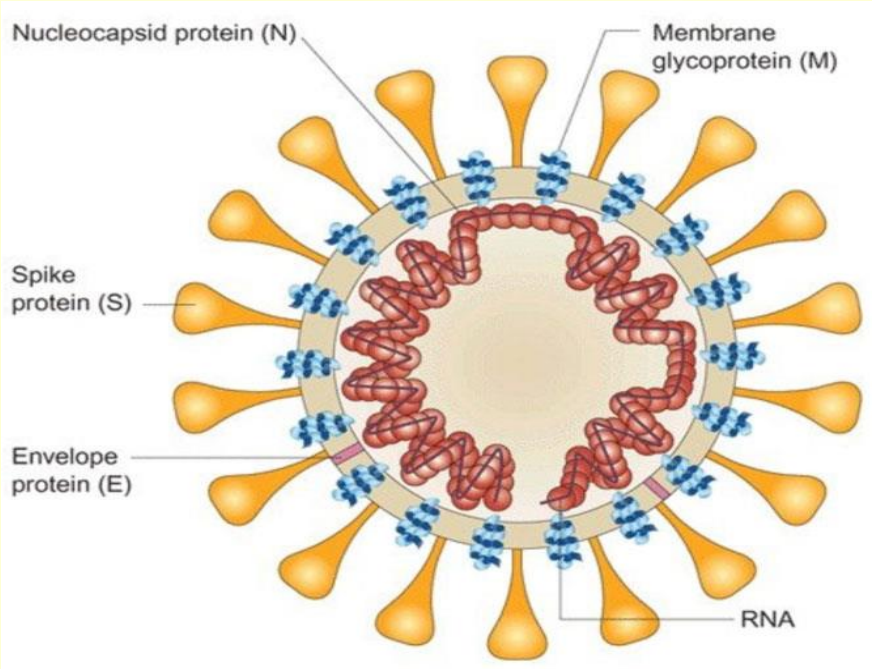

1.SARS-CoV-2की संरचना

<u>संक्रमण की प्रक्रिया:</u>

SARS-CoV-2 स्पाइक (S) प्रोटीन के माध्यम से उन कोशिकाओं को लक्षित करता है जिसमें रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन (RBD) होता है जो एंजियोटेंसिन-कनवर्टिंग एंजाइम2 (ACE2) रिसेप्टर को जुड़ा होता है। रिसेप्टर बाइंडिंग के बाद वायरस कण कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए मेजबान सेल-रिसेप्टर्स और एंडोसोम का उपयोग करता है। एक मेजबान टाइप 2 ट्रांसमेम्ब्रेन सेरीन प्रोटीएज, TMPRSS2, S प्रोटीन के माध्यम से कोशिका प्रवेश की सुविधा देता है ।

एक बार कोशिका के अंदर आने पर, वायरल पॉलीप्रोटीन को संश्लेषित किया जाता है जो रेप्लिकेज़-ट्रांसक्रिपटेस कॉम्प्लेक्स के लिए एन्कोड करता है। वायरस तब अपने RNA-based RNA पोलीमरेज़ के माध्यम से RNA को संश्लेषित करता है। संरचनात्मक प्रोटीन को संश्लेषित किया जाता है जिससे वायरस का निर्माण पूरा हो जाता है और वायरल कण छूट जाते है।

साँस के साथ अंदर आया SARS-CoV-2 वायरस (नाक) नेसलकैविटी में एपिथेलियल कोशिकाओं से जुड़ता है और प्रतिकृति करना शुरू कर देता है । वायरस का स्थानीय प्रसार होता है लेकिन शरीर द्वारा एक सीमित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया (इम्यूनरेस्पोंस) की जाती है । इस स्तर पर वायरस का पता नाक के स्वैब से लगाया जा सकता है।

वायरस संवाहित हवा के साथ श्वसन पथ (रेस्पिरेटरीट्रैक्ट) में फैलता है और वायु मार्ग से नीचे जाता है और एक अधिक मजबूत प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया शुरू हो जाती है। नाक के स्वैब या थूक में वायरस (SARS-CoV-2) के साथ-साथ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के शुरुआती मार्क रहने चाहिए। इस समय, रोग COVID-19 नैदानिक रूप से प्रकट होता है।

वायरस अब फेफड़े की गैस विनिमय इकाइयों (एक्सचेंज यूनिट) तक पहुँचता है और वायु कोशीय (एल्वीओलर) टाइप 2 कोशिकाओं को संक्रमित करता है। संक्रमित वायु कोशीय इकाइयाँ परिधीय (पेरीफेरल) और उपगुप्त (सब्प्लेएरल) होती हैं। SARS-CoV टाइप2 कोशिकाओं के भीतर प्रसार करता है, वायरल कणों की बड़ी संख्या छोड़ी जाती है, और कोशिकाएं एपोप्टोसिस से गुजरती हैं और मर जाती हैं। अंतिम परिणाम एक आत्म-प्रतिकृति फुफ्फुसीय (पल्मोनरी) टोक्सिन है क्योंकि छोड़े गये वायरल कण आसन्न इकाइयों में टाइप2 कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं।

SARS और COVID-19 का पैथोलॉजिकल परिणाम वायुकोशीय क्षति के साथ फाइब्रिन समृद्ध हाइलिन मेम्ब्रेन और कुछ एकाधिक न्यूक्लिअसवाली विशाल कोशिकाएं होती है।

<u>उपलब्ध इलाज:</u> वर्तमान में, SARS-CoV-2 को लक्षित करनेवाली कोई वैक्सीन या विशिष्ट चिकित्सीय दवाएं नहीं हैं। SARS-CoV-2 संक्रमण के रोगियों के उपचार मुख्य रूप से उपलब्ध चिकित्सीय दवाओं को पुन: प्रस्तुत कर किया जा रहा है और यह रोगसूचक स्थितियों पर आधारित हैं।

- रेमेडीसीविर (Remdesivir):

रेमेडीसीविर, जिसे औपचारिक रूप से GS -5734 के रूप में जाना जाता है, एक मोनोफॉस्फेट प्रोड्रग है जो चयापचय (मेटाबोलिज्म) से गुजरता है और सक्रियसी-एडेनोसिनन्यूक्लियोसाइड ट्राइफॉस्फेट एनालॉग में परिवर्तित होता है। इसे इबोला वायरस संक्रमण के उपचार के रूप में गिलियड साइंसेज द्वारा 2017 में विकसित किया गया था।

रेमेडीसीविर को इसके सक्रिय रूप, GS-441524 में चयापचयित किया जाता है, जो वायरल RNA पोलीमरेज़ को अस्पष्ट करता है और वायरल एक्सोन्यूक्लिज़ द्वारा प्रूफरीडिंग से बच जाता है, जिससे वायरल RNA उत्पादन में कमी होती है। रेमेडिसविर का एंटीवायरल तंत्र नवजात वायरल RNA की विलंबित श्रृंखला समाप्ति है।

वर्तमान में, रेमेडीसविर अपने व्यापक स्पेक्ट्रम के कारण COVID -19 के लिए एक आशाजनक संभावित चिकित्सा है, जो कई नॉवल कोरोनावायरस के विरुद्ध इन विट्रो गतिविधि में शक्तिशाली होती है, जिसमें SARS-CoV-2 भी शामिल है।

- क्लोरोक्वीन और हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन(Chloroquine and Hydroxychloroquine):

क्लोरोक्विन और हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन समान रासायनिक संरचनाओं वाले ड्रग्स हैं जो अक्सर ल्यूपस एरिथेमेटोसस, संधिशोथ और मलेरिया के उपचार में इस्तेमाल किये जाते है।

क्लोरोक्वीन और हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन मे जबान रिसेप्टर्स के ग्लाइकोसिलेशन को रोककर, प्रोटियोलिटिक प्रसंस्करण और एंडो सोमल अम्लीकरण के द्वारा कोशिकाओं में वायरल प्रवेश को रोकते हैं। ये ड्रग्स साइटोकिन उत्पादन के क्षीणन और मेजबान कोशिकाओं में ऑटोफैगी और लाइसोसोमल गतिविधि के निषेध के माध्यम से इम्युनोमॉड्यूलेट्री प्रभाव डालते हैं।

क्लोरोक्वीन SARS-CoV-2 के प्रवेश को रोक सकता है और ACE2 रिसेप्टर के ग्लाइकोसिलेशन और स्पाइकप्रोटीन के साथ इसके बंधन में हस्तक्षेप करके वायरस-सेल फ्युजन रोक सकता है, जिस से यह समझ आता है कि क्लोरोक्वीन उपचार संक्रमण के प्रारंभिक चरण में अधिक प्रभावी हो सकता है, इससे पहले कि COVID-19 ACE2 अभिव्यक्ति और गतिविधि को कम करे।

- लोपिनवीर-रिटोनवीर (Lopinavir-Ritonavir):

लोपिनवीर HIV -1 प्रोटीएज के लिए उच्च विशिष्टता वाला प्रोटीएज अवरोधक है। लोपिनवीर की खराब मौखिक जैव उपलब्धता और व्यापक बायोट्रांसफॉर्म के कारण, अपने प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए इसे रिटोनवीर के साथ तैयार किया जाता है। रिटोनवीर उन एंजाइमों का एक प्रबल अवरोधक है जो लोपिनवीर चयापचय के लिए जिम्मेदार है, और इनका संयोजनलो पिनवीर के प्रदर्शन को बढ़ाता है और एंटीवायरल गतिविधि में सुधार करता है।

लोपिनवीर एक पेप्टिडोमिमैटिक अणु है, जिस में एक हाइड्रॉक्सी एथिलीनस्केफ़ोल्ड होता है जो उस पेप्टाइड लिंकेज की नकल करता है जिसे आम तौर पर HIV -1 प्रोटीएज एंजाइम लक्षित करता है, लेकिन जो स्वयं सेक्लीव नहीं किया जा सकता है और इस प्रकार HIV -1 प्रोटीएज की गतिविधि को रोकता है।

लोपिनवीर-रिटोनवीरने 3-का इमोट्रिप्सिन जैसे प्रोटीएज के निषेध के माध्यम से अन्य नॉवल कोरोना वायरस के खिलाफ इन विट्रो गतिविधि का प्रदर्शन किया।

- फैविपिरावीर (Favipiravir):

फैविपिरावीर का उपयोग इन्फ्लूएंजा, इबोला और नोरोवायरस जैसे RNA वायरस के कारण होने वाले संक्रामक रोगों के उपचार में किया गया है। यह पैरा ज़ीनकार्बोक्सामाइड संरचना के साथ एक गुआनिन एनालॉग है, और प्रतिस्पर्धा के कारण इसकी एंटीवायरल गतिविधि प्यूरिन न्यूक्लियोसाइड की उपस्थिति में कम हो जाती है।

फैविपिरावीर पहले एंडोसायटोसिस के माध्यम से संक्रमित कोशिकाओं में प्रवेश करता है और फिर फॉस्फोरायबोलाइजेशन और फॉस्फोरायलेशन के माध्यम से सक्रिय फैविपिरावीर रायबोफ़्यूरेनोसाइल फॉस्फेट में बदल जाता है।

एंटीवायरल गतिविधि RNA निर्भर RNA पोलीमरेज़ (RdRp) के चुनिंदा रूढ़िवादी उत्प्रेरक डोमेन को लक्षित करने के माध्यम से किया जाता है, जिससे वायरल RNA प्रतिकृति के दौरान न्यूक्लियोटाइड निगमन प्रक्रिया बाधित होती है।

वायरल RNA प्रतिकृति में विकृति के परिणामस्वरूप ट्रांजीशन म्युटेशन की संख्या और आवृत्ति बढ़ती है जैसे गुऐनीन (G)काएडेनीन (A)द्वारा और साइटोसिन (C)काथायमीन (T)यायूरैसिल (U)द्वारा प्रतिस्थापन जो RNA वायरस में विनाशकारी म्युटाजेनेसिस को प्रेरित करता है।

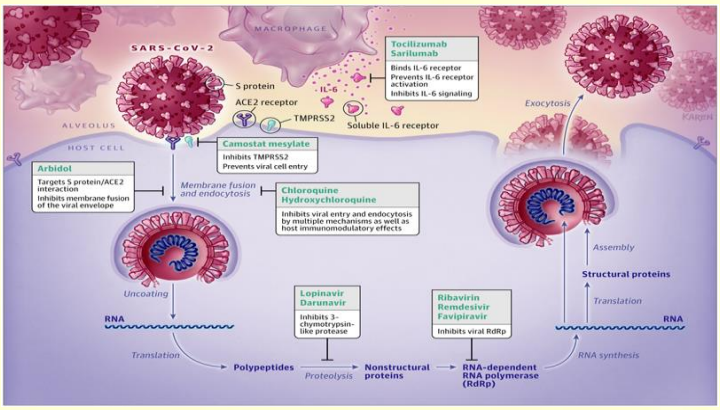

2. SARS-CoV-2 वायरल जीवन चक्र और संभावित औषधि लक्ष्य

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान
क्या करें - क्या ना करें

श्री निनाद गावडे,
(उप-विस्फोटक नियंत्रक)
नागपुर

जैसे कि आप सभी जानते हैं कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप के कारण; बैठकें जो पहले व्यक्तिगत रूप से आमने-सामने आयोजित की जाती थी, उसकी जगह अब डिजिटल प्लेटफार्म पर ऑनलाइन माध्यम से वेबिनार और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग ने ले ली हैं। ऑनलाइन माध्यम से बैठकों में शामिल होने से पहले हमें क्या करें एवं क्या ना करें इसकी जानकारी होना आवश्यक है।

अतः यह उचित होगा कि सुचारू रूप से बैठकें संपन्न होने के लिए हम क्या करें एवं क्या ना करें का पालन करें ताकि अन्य प्रतिभागियों को भी परेशानी ना हो और हम भी सचेत रूप से बैठक में शामिल हो पाएं।

सचेत रहें और सही आसन/मुद्रा आसन/मुद्रा बनाए रखें/
Be Attentive and Maintain a Decent Posture

माइक्रोफ़ोन को न हिलाए ना ही पकड कर रखें/
Do Not Move or Hold the Microphone

जब आवश्यक हो, तभी माइक्रोफ़ोन स्विच ऑन करें /
Switch on the Microphone only when required

माइक्रोफ़ोन पर आर्टिकल्स / पेपर्स रखने से बचें/
Avoid keeping articles / papers on Microphone

मोबाइल फोन के प्रयोग से बचें/ कैमरा स्पीकर पर फोकस करें/ कैमरे में खाद्य और पेय पदार्थों से बचें/

Avoid using mobile phones Focus camera on the speaker Avoid Food and Beverages in camera view

वीडियो कॉन्फ्रेंस की शुरुआत से पहले टेस्ट प्रेसेंटेशन करें

Test presentation well before the start of video conference

अगर खिलाफ है होने दो, जान थोड़ी है

संकलित द्वारा- गगन अग्रवाल,
उप-विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी

-राहत इन्दौरी

अगर ख़िलाफ़ हैं होने दो, जान थोड़ी है,
ये सब धुआँ है कोई आसमान थोड़ी है,
लगेगी आग तो आएँगे घर कई ज़द में
यहाँ पे सिर्फ़ हमारा मकान थोड़ी है|
मैं जानता हूँ के दुश्मन भी कम नहीं लेकिन,
हमारी तरहा हथेली पे जान थोड़ी है,
जो आज साहिबे मसनद हैं कल नहीं होंगे,
किराएदार हैं सब ज़ाती मकान थोड़ी है|

सभी का ख़ून है शामिल यहाँ की मिट्टी में,
किसी के बाप का हिन्दोस्तान थोड़ी है|

पेसो कवच

श्री डी. वी. सिंह,
उप वि.नि., देहरादून

आओ मिलकर हम साथ मनाए
फाउंडेशन दिन, पेसो का आया है,
वर्षों पहले सफर, हुआ शुरू
पावन दिन आज, फिर आया है
अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

गर्व से उंचा, मस्तक इसका
नई बुलन्द्रियां, बन छाया है,
सुरक्षा ही लक्ष्य है सर्वोपरि
यही संकल्प, संगठन का नारा है,
अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

9 सितम्बर 1898 से शुरू हुआ सफर
कर्तव्य, निष्ठा अपना आधार बना,
बने रणनीति, पैदा हो नये अवसर
पेसो चमकता, आज सितारा है,
अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

विस्फोटक हो, या पेट्रोलियम
चाहे हो, गैसो का भण्डारण
मानक, नियम और अधिनियम
सुरक्षा, आई डी, ओडी का खेल सारा है,
अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

उद्योग, फैक्ट्री और संसाधन
निर्भर इन पर, हर मानव है,
समय से मरम्मत, हो वाल्व परीक्षण
जन हानि, दुर्घटना से हमें बचाना है,

अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

संकल्प करले, हम सब मिलकर
सावधानी, सर्तक से ही जीवन है,
पर्यावारण को सींचे, हर एक जन
स्वच्छ वायु पर, अधिकार हमारा है,
अटूट इरादे, ले दृढ निश्चय
पेसो परिवार कवच बन पाया है।

हर सुबह एक नई शुरुआत होती है.....

गौतम कुमार,
अवर श्रेणी लिपिक, नागपुर

हर सुबह एक नई शुरुआत है,
हर सुबह किसी के लिए खास है,
सुबह का सूरज खुले आसमान में
ये हसीन सवेरे की शुरुआत है.....

ये सुबह की ठंडी ठंडी हवा सुहानी, कुछ ख़ास है
जरा आप भी आजमाईए, जरा घूम आईये,
दूर ना सही जरा पास ही टहल आईये,
बस एक शुरुआत कीजिए, एक पहल कीजिए
मुफ्त लीजिये कुदरत का आनंद,
तरोताजा हो जाईए होगा मन प्रसन्न,
हर सुबह एक नई शुरुआत है.....

देखो चारों तरफ हरियाली है, सोचता हूं.....
दिल में कई सवाल लिये मैं टहलते जाता हूं,
ढूंढते हुए सवालो का जवाब, दूर निकल जाता हूँ
सुहानी सुबह मन प्रसन्न कर देती है
हर सुबह एक नई शुरुआत होती है.....

इसलिए जीवन में चाहे जितने हो गम,
सुबह के हसीन नज़ारों से कर लो कम,
बस एक बार करो पहल सुबह के सैर की
फिर सारा दिन रहेगा मन प्रसन्न
हर सुबह एक नई शुरुआत होती है.....

ये नजारा कुछ वक़्त का है,
ना जाने कब ढल जायेगा दिन
ये वक़्त का फेर है हर सुबह कुछ खास है
हर सुबह एक नई शुरुआत है.....

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन की गाथा

डॉ. वैशाली एस. चिरडे,
हिन्दी अधिकारी, नागपुर

राष्ट्र हित का, नित करे संवर्धन
पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन

पेसो का प्रण जन सुरक्षा,
विस्फोटक से सबकी रक्षा
रामेश्वर से उतुंग हिमगिरि
ध्येय हमारा सुरक्षा सर्वोपरि

जनजागरण व प्रशिक्षित मानव-संसाधन
पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन

घर उद्योग जहॉ हो जाखिम
विस्फोटक हो या पेट्रोलियम
परिवहन हो या भण्डारण ही
पूर्ण नियंत्रण अनुज्ञा से ही

ई-तकनीक हमारी, विश्वस्त कार्य-निष्पादन
पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन

जटिल रसायन, कठिन चुनौती
बिन अनुज्ञप्ति, नही अनुमति
नियम-अधिनियम शान हमारे
पूर्ण सतर्कता हाथ हमारे

राष्ट्र के हित का, नित करे संवर्धन
पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन

किसी भाषा की उन्नति का पता उसमें प्रकाशित हुई पुस्तकों की संख्या तथा उनके विषय के महत्व से जाना जा सकता है। - गंगाप्रसाद अग्निहोत्री

कोरोना-शब्दावली

आपके समक्ष कोरोना-वायरस के संक्रमण के कारण, इन दिनों सम्पूर्ण विश्व में हो रही हलचलों में सर्वाधिक चर्चित रहे शब्दों एवं उनके मायनों को संकलित करके प्रस्तुत किया जा रहा है। किसी विषय को समझने के लिए उसकी शब्दावली को समझना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए किसी भाषा या विषय-विशेष को समझने में शब्दकोश (Dictionary), शब्दावली (Glossary) और शब्द-संग्रह (Thesaurus) बड़े मददगार होते हैं।

COVID-19 Terminology	**कोविड-19 शब्दावली**	**Meaning (in English)**	**अर्थ (हिन्दी)**
Antibodies	एंटीबॉडी / प्रतिरक्षा प्रणाली	An antibody is a blood protein that the immune system makes as a response to an invader (pathogen), such as a virus.	एंटीबॉडी एक रक्त प्रोटीन है जिसे प्रतिरक्षा प्रणाली आक्रमणकारी (रोगजनक), जैसे कि वायरस से प्रतिरक्षा हेतु बनाती है।
Asymptomatic	एसिम्प्टमैटिक/ लक्षणहीन	When a patient is a carrier of an illness but does not show symptoms. In case of Covid-19, it means no symptoms like fever, dry cough, sore throat, shortness of breath, body ache, etc.	रोग के कोई लक्षण न होना। कोविड-19 के मामले में, इसका अर्थ है बुखार, सूखी खांसी, गले में खराश, सांस लेने में तकलीफ और शरीर में दर्द, आदि लक्षणों का ना होना।
Community Transmission	कम्यूनिटी ट्रांसमिशन/ सामुदायिक प्रसार	The spread of a contagious disease in a geographic area in which there is no knowledge of how someone contracted the disease. In other words, no known contact can be traced to other infected individuals.	सामुदायिक प्रसार: एक भौगोलिक क्षेत्र में एक छूत की बीमारी का प्रसार जिसमें पता नहीं होता कि बीमारी कैसे हुई। दूसरे शब्दों में, अन्य संक्रमित व्यक्तियों के किसी भी ज्ञात संपर्क का पता नहीं लगाया जा सकता है
Comorbidity	कोमॉर्बिटी/ सहरुग्णता	It refers to a medical condition, in which a person has more than one disease at the same time.	यह एक चिकित्सीय स्थिति दर्शाता है, जिसमें एक व्यक्ति को एक ही समय में एक से अधिक रोग होते हैं।
Corona-Negative	कोरोना निगेटिव/ कोरोना मुक्त	When a corona infection is suspected and on examining the patient if corona infection is not detected, it is addressed as 'corona negative'.	कोरोना संक्रमण का संदेह होने पर, मरीज की जांच करने पर यदि उसमें कोरोना संक्रमण नहीं पाया जाता तो उसे 'कोरोना निगेटिव' संबोधित किया जाता है।
Corona-Positive	कोरोना पॉजिटिव/ कोरोना युक्त	On examining the patient if corona infection is detected, it is addressed as 'corona positive', i.e. the person has got corona virus infection.	किसी मरीज की जांच करने पर यदि उसमें कोरोना संक्रमण पाया जाता तो उसे 'कोरोना पाजीटिव' संबोधित किया जाता है अर्थात उसे कोरोना वायरस का संक्रमण हो चुका है।

Corona Virus	कोरोना वायरस/ कोरोना विषाणु	A family of viruses that include SARS (severe acute respiratory syndrome) and MERS (Middle East respiratory syndrome) as well as other respiratory illnesses.	वायरस का एक परिवार जिसमें SARS (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) और MERS (मिडिलईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) के साथ-साथ श्वसन संबंधी अन्य बीमारियाँ शामिल हैं।
Covid-19	कोविड19-	COVID-19 stands for novel corona virus disease 2019, which refers to the year of its initial detection. COVID-19 is the illness related to the current pandemic; the illness is caused by the virus SARS-CoV-2 (severe acute respiratory syndrome corona virus 2).	कोविड-19: कोविड-19 नोवेल कोरोनावायरस रोग 2019 के लिए बनाया गया शब्द है, जो इसकी प्रारंभिक पहचान के वर्ष को संदर्भित करता है। COVID-19 वर्तमान महामारी से संबंधित बीमारी है; यह बीमारी SARS-CoV-2 (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोनावायरस 2) वायरस के कारण होती है।
Herd immunity	हर्ड इम्युनिटी	Herd immunity is an indirect form of protection from an infectious disease that occurs when a certain percentage of the population becomes immune, either because they've been ill and recovered or because they've been vaccinated.	हर्ड इम्युनिटी किसी संक्रामक बीमारी से सुरक्षा का एक अप्रत्यक्ष रूप है जो तब होता है जब आबादी का एक निश्चित प्रतिशत प्रतिरक्षा बन जाता है, या तो क्योंकि वे बीमार हो गए हैं और ठीक हो गए हैं या क्योंकि उन्हें टीका लगाया गया है।
Isolation	आइसोलेशन / विलगन	Isolation is when someone who has been tested positive for COVID-19 is separated from other people in order to stop the spread of the virus.	जब कोई व्यक्ति कोविड-19 संक्रमित पाया जाता है तो उसे, वायरस के प्रसार को रोकने के लिए अन्य लोगों से अलग/ विलगन किया जाता है।
Lockdown	लॉकडाउन	It is an emergency measure in which individuals are restricted from certain areas in an attempt to control exposure or transmission of disease. In a lockdown during an epidemic, individuals are encouraged to stay home.	यह एक आपातकालीन उपाय जिसमें व्यक्तियों को बीमारी के जोखिम या संचरण को नियंत्रित करने के प्रयास में कुछ क्षेत्रों से प्रतिबंधित किया जाता है। महामारी के दौरान लॉकडाउन में लोगों को घर में रहने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।
Mask	मास्क/ मुँह ढँकना	In general, mask is a covering used to cover the mouth. Masks were also used in theatres for different characters. But the term	मास्क, सामान्य अर्थों में मुँह ढकने के लिए प्रयुक्त होने वाले आवरण से है। रंगमंच पर भी अलग अलग मुखौटों के प्रयोग होते थे। लेकिन वैश्विक महामारी

		'mask', used during the pandemic, refers to the cloth, mask used to cover the respiratory organs such as the nose and mouth.	के दौरान प्रयोग में लाए जाने वाला “मास्क” शब्द श्वसन इन्द्रिय, नाक, मुँह को ढकने वाले आवरण/ मास्क से है।
Pandemic	पैन्डेमिक/ वैश्विक महामारी	Pandemic: a worldwide spread of an infectious disease, with larger reach than an epidemic. Until COVID-19, the last pandemic was the H1N1 influenza outbreak in 2009.	वैश्विक महामारी: एक संक्रामक बीमारी जो महामारी की तुलना में, अधिक, दुनिया भर में प्रसार। कोविड-19 तक, आखिरी महामारी 2009 में H1N1इन्फ्लूएंजा का प्रकोप था।
Physical distancing	शारीरिक दूरी	Physical distancing: the practice of maintaining greater space between oneself and others and/or avoiding direct contact with other people.	स्वयं और अन्य लोगो के बीच दूरी बनाए रखना और/या अन्य लोगों के साथ सीधे संपर्क से बचना।
Self Quarantine	सेल्फ क्वारेंटाइन/ स्व संगरोध	To self-quarantine is “to refrain from any contact with other individuals for a period of time (such as two weeks) during the outbreak of a contagious disease usually by remaining in one's home and limiting contact with family members.”	सेल्फ क्वारेंटाइन का अर्थ है "किसी संक्रामक बीमारी के प्रकोप के दौरान कुछ समयावधि (जैसे दो सप्ताह) के लिए आमतौर पर अपने घर में अलग रहकर परिवार के सदस्यों के साथ संपर्क से बचना है।"
Sanitizer	सैनिटाइजर	a substance used to make something clean and hygienic.	कोरोना संक्रमण से बचने के लिए हाथ धुलने में जिस रासायनिक द्रव का प्रयोग किया जाता है वह सैनिटाइजर कहलाता है।
Self-isolation	स्वपृथकीकरण	Self-isolation: the act of separating oneself from others.	स्वयं को दूसरों से अलग करने की क्रिया।
Social Distancing	सोशल डिस्टेन्सिंग/ सामाजिक दूरी	Social distancing: the act of remaining physically apart in an effort to stem transmission of COVID-19. Social distancing can include a move to remote work, the cancellation of events and remaining at least six feet away from other individuals.	कोविड-19 के संचरण को रोकने के प्रयास में शारीरिक रूप से दूरी बनाए रखने की क्रिया। कोरोना वायरस का कम्यूनिटी ट्रांसमिशन न हो इसके लिए सुझाव दिया गया है कि लोगों को एक दूसरे से सार्वजनिक स्थानों पर न्यूनतम 6 फीट की दूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसे ही सोशल डिस्टेन्सिंग कहा गया है।
Super-spreader	सुपर-स्प्रेडर	Super-spreader: a highly contagious individual who	सुपर-स्प्रेडर: एक अत्यधिक

		can spread an infectious disease to a large number of uninfected people through a network of contacts.	संक्रामक व्यक्ति जो संपर्कों के नेटवर्क के माध्यम से बड़ी संख्या में असंक्रमित लोगों को संक्रामक रोग फैला सकता है।
Vaccine:	वैक्सीन/ टीका	Vaccine is a biological preparation of organisms that provides immunity to a particular infectious disease.	टीका (vaccine) एक जीव के शरीर का उपयोग करके बनाया गया द्रव्य है जिसके प्रयोग से शरीर में किसी संक्रामक रोग विशेष से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है।
WFH: Work from Home	वर्क फ्रम होम/ घर से काम	WFH: an abbreviation of "working from home" or "work from home."	डब्लुएफएचः घर से काम करना का संक्षिप्त रूप। कोरोना संक्रमण के दौरान सभी सरकारी, अर्धसरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी गई और इससे यह शब्द अधिक प्रचलित हुआ।

हिन्दी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है। - माखनलाल चतुर्वेदी

आतिशबाजी का प्रदर्शन - क्या करें और क्या न करें

- केवल अधिकृत / प्रतिष्ठित विनिर्माताओं से आतिशबाजी खरीदें ।
- एक समय में एक व्यक्ति द्वारा केवल एक ही आतिशबाजी सुलगाई जाए । इसे अन्य व्यक्तियों द्वारा सुरक्षित दूरी से देखना चाहिए ।
- प्रयोग की जाने वाली आतिशबाजी एक सुरक्षित स्थान पर रखी जाए ।
- किसी एक व्यक्ति द्वारा पटाखे सुलगाने के बजाय आतिशबाजी के सामुदायिक प्रदर्शन का आयोजन किया जाए ।
- हमेशा पटाखे सुलगाने के लिए एक लंबी मोमबत्ती / फुलझडी का उपयोग करें और शरीर और पटाखों के बीच दूरी बढ़ाने के लिए हाथ सीधा रखा जाए ।
- हमेशा दो बाल्टी पानी तैयार रखें । अग्नि दुर्घटना की स्थिति में लौं बुझाने हेतु इन बाल्टियों से पानी डाले । हर बडी आग शुरू में छोटी ही होती है ।
- जलने की स्थिति में जले हुए भाग पर बडी मात्रा में पानी डाले ।
- बहुत अधिक जलने की स्थिति में प्रथमतः आग बुझाए, पीड़ित व्यक्ति के सुलगते कपडे हटा दें और उसे एक साफ चादर में लपेटें ।
- पीड़ित व्यक्ति को अग्नि दुर्घटना विशेषज्ञ या किसी बडे अस्पताल में ले जाना चाहिए ।
- पीड़ित व्यक्ति की आंख में जलन होने की स्थिति में नल के पानी से उसकी आंख दस मिनट धोएं और उसे अस्पताल ले जाना चाहिए ।

क्या न करें

- आतिशबाजी हाथ में पकडकर न सुलगाए ।
- आतिशबाजी सुलगाते हुए उसपर ना झूकें ।
- आतिशबाजी किसी पात्र में ना जलाए ।
- बुझे हुए आतिशबाजी के पास तुरंत ना जाए ।
- बुझे हुए आतिशबाजी के साथ छेड़छाड़ न करें ।
- घर में आतिशबाजी बनाने का प्रयास न करें ।
- छोटे बच्चों को आतिशबाजी के प्रयोग की अनुमति न दें ।
- आतिशबाजी अन्य लोगों पर न ही फेंकें न ही उनकी ओर इंगित करें ।
- आतिशबाजी जेब में न ले जाए ।
- जलती मोमबत्ती और दीये के पास आतिशबाजी का भंडारण न करें ।
- संकीर्ण गलियों में आतिशबाजी न सुलगाए, अच्छा हो कि खुले क्षेत्रों और पार्कों का उपयोग करें ।
- सिंथेटिक कपड़े न पहनें, अच्छा हो कि मोटे सूती कपड़े ही पहने ।
- ढीले कपडे न पहने; सभी कपडे महफ़ूज़ रखें ।
- जले भाग पर कोई क्रीम, मरहम या तेल न लगाएं ।
- अग्नि दुर्घटना में जले व्यक्ति को अस्पताल ले जाते समय लापरवाही से वाहन न चलाएँ । एक घंटे का विलंब ग्राह्य है ।
- तेज़ हवाएं चल रहीं हो तो, उडने वाली आतिशबाजी न सुलगाए ।

राकेश कुमार,
(वरिष्ठ श्रेणी लिपिक), मुंबई

गुरू

जो बनाए हमें इंसान
और दे सही-गलत की पहचान
देश के उन निर्माताओं को
हम करते हैं शत-शत प्रणाम

साक्षर हमें बनाते हैं
जीवन क्या है समझाते हैं
जब गिरते हैं हम हार कर तो साहस वही बढाते हैं
ऐसे महान व्यक्ति ही तो शिक्षक - गुरु कहलाते हैं

दिया ज्ञान का भण्डार हमें
किया भविष्य के लिए तैयार हमें
हैं आभारी उन गुरुओं के हम
जो किया कृतज्ञ अपार हमें

जीने की कला सिखाते शिक्षक
ज्ञान की कीमत बताते शिक्षक
पुस्तकों के होने से कुछ नहीं होता
अगर मेहनत से नहीं पढ़ाते शिक्षक

बेटी

जीवन की एक आस है बेटी
सब रोगों की दवा है बेटी,
जीवन की एक आस है बेटी
ममता का सम्मान है बेटी,
माता-पिता का मान है बेटी
आंगन की तुलसी है बेटी,
पूजा की कलसी है बेटी
सृष्टि है, शक्ति है बेटी,
दृष्टि है, भक्ति है बेटी
श्रद्धा है, विश्वास है बेटी
जीवन की एक आस है बेटी

लाडली बेटी

बहुत चंचल बहुत खुशनुमा सी होती हैं बेटियाँ
नाजुक सा दिल रखती हैं, मासूम सी होती हैं बेटियाँ
बात बात पर रोती हैं, नादान सी होती हैं बेटियाँ
रहमत से भरभूर खुदा की नेमत हैं बेटियाँ
हर घर महक उठता है, जहाँ मुस्कुराती हैं बेटियाँ
अजीब सी तकलीफ होती हैं, जब दूर जाती हैं बेटियाँ
घर लगता है सूना - सूना पल - पल याद आती हैं बेटियाँ
खुशी की झलक और हर बाबुल की लाड़ली होती हैं बेटियाँ
ये हम नहीं कहते ये तो रब कहता है
कि जब मैं खुश रहता हूँ जो जन्म लेती हैं बेटियाँ

सड़क की राजनीति या राजनीति की सड़क

डॉ. रूआब अली,
उप-मु.वि.नि.,
भुवनेश्वर

पिछले साल ही बनवाई, उनके शहर की सड़क पर।
लडंखड़ाते गिरते-पड़ते, हाँपते-काँपते हम उनके
घर जाते ही धम्म से उनके सोफे पर जा गिरे।
वो बोले, अरे! इतने ज्यादे थक गये कि आते ही लुढ़क गये।

हमने कहा, थक नहीं गये, बच गये, शुक्र करो कि
किसी गड्ढे में नहीं गिरे।

अरे! रोड़ियो ने जितना सरकाया उतना नहीं सरके।
वो बोले, सड़क तो नई है, अभी सरकार ने बनवाई है।

हमने कहा कि ये सड़क है कि खाई है।
वो बोले सड़क तो सड़क है पर इसमें जो खाई है,
वो कईयों ने खाई है।

ऊपर से नीचे तक बँटे हुए हिस्से हैं, कइयों के किस्से हैं,
कुछ गुप्त हैं कुछ स्पष्ट हैं, पर जनाब आपको क्या कष्ट हैं।

अब हम क्या बोलते, अपना मुँह क्या खोलते
वहीं पड़ गये और शर्म के मारे गड्ढे की जगह सोफे में ही पड़ गये।

पेसो, नागपुर - हिन्दी पखवाडा - पुरस्कृत निबंध

विषयः "हिन्दी - कल आज और कल"

श्रीमती शितल तेलंग,
उ.श्रे.लि., नागपुर

भारत में सबसे अधिक बोली व समझी जानेवाली भाषाओं में हिन्दी भाषा भी शामिल है। स्वतंत्र भारत में आजादी के बाद देश की काम-काज की भाषा के लिए अंग्रेजी के अलावा हिन्दी भाषा को भी सम्मिलित किया गया। हिन्दी भाषा का इतिहास करीब एक हजार वर्ष पुराना है। भारत से बहने वाली सिंध नदी के किनारे पर बसे लोगों को सिन्धु कहा जाता था। ईरान जैसे देश के लोग विश्व भ्रमण करते हुए भारत पहुंचे व वापस ईरान तक पहुंचते पहुंचते सिंधु शब्द हिन्दू हो गया। ईरानी प्रत्यय इक लगने के बाद हिन्दू का हिन्दिक हो गया जो कि कालांतर में हिंदी में तब्दील हो गया। इसी तरह हिन्दी का नामांतरण हुआ। इण्डिस शब्द से अंग्रेजी का इण्डिका व इंडिया, हिंदी, हिंदू, हिंदूक व हिंदुस्तान के लिए शब्द आया। विश्व के सबसे उन्नत व समृध्द साहित्यों की रचना विश्व की कई भाषाओं से पहले हिंदी भाषा में पायी गयी है। संस्कृत भाषा का विशुध्द प्रभाव हिंदी में साफ तौर पर पाया जाता है। हिन्दी चीनी भाषा के बाद दूसरी सबसे ज्यादा बोलने, समझने व परिचलन की भाषा बनी है।

किसी भी राष्ट्र की समृद्धि व विकास उसकी अपनी भाषा के विकास पर निर्भर करता है। अंग्रेजो द्वारा शासित विभिन्न देशों पर अंग्रेजी भाषा का साफ प्रभाव देखा जाता है। हमारे देश ने भी अंग्रेजों की गुलामी से आजादी तो पाई पर अंग्रेजी भाषा को स्वतंत्रता के 15 वर्षों तक हिंदी के साथ-साथ राजकाज की भाषा मे प्रयुक्त किए जाने से अंग्रेजी का प्रभुत्व से हमारा देश स्वतंत्रता के पश्चात भी गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ है। हिंदी भाषा सबसे सरल व सबसे उन्नत भाषाओं में से एक है। यह देश के अधिकतर लोगों द्वारा बोली व समझी जाने वाली भाषा है। हर प्रांत की भाषा का वहां की हिंदी पर इसका सीधा प्रभाव डालती है। अवधी, फारसी, खड़ी बोली,भोजपुरी, उर्दू इत्यादि सभी भाषाओं का प्रभाव हिंदी में विदित होता है। भारत जैसे राष्ट्र में जहां पर हर प्रांत की अपनी बोली व अपनी भाषाएं बोली जाती है, उसमें हिन्दी ने सबसे सरल व सबसे विकसित भाषा का दर्जा हासिल करना आने आप में एक बड़ी गौरवशाली बात है।

इतिहास में देखा जाए जो जब अंग्रेजी व इतर भाषाओं का स्वर्णिम काल आया तब तक हिन्दी भाषा के साहित्य में रासो व भक्ति काल की रचना का शुभारंभ हो चुका था। दूसरी भाषाओं से 800 वर्ष पहले ही हिन्दी में काफी उन्नत व प्रभावशाली साहित्य की स्वर्णिम रचनाओं का जन्म हो चुका था। हिंदी अपने आप में पानी की तरह के गुण लेकर आई है जिसमें ही दूसरी भाषाओं के

उन्नत शब्दों को अंगीकार करने व अपने में स्थान देने की योग्यता है। हिन्दी का इतना बड़ा स्वरूप उसकी इसी गुणों के कारण विद्यमान है। हिन्दी ने जितना दूसरी भाषाओं के शब्दों को स्वीकारा उतनी ही व उन्नत व ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने वाली संचार भाषा का दर्जा पा सकी।

हिन्दी को सन् 14 सितंबर 1949 में राजभाषा को दर्जा तो मिल गया परंतु राष्ट्रभाषा का दर्जा अभी तक नहीं मिल पाया। हिन्दी भाषा का प्रभाव इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन में देखा गया है। स्वतंत्रता संग्राम में कई स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। अंग्रेजों की गुलामी से देश को आजाद करने की जिद में सबको साथ लाने व भारतीयों को अंग्रेजों के विरूध्द मजबूत करने के लिए हिन्दी भाषा व समाचार पत्रों ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी। ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस संग्राम में तैयार करने के लिए हिन्दी भाषाओं में वितरित होने वाले पर्चे व हिन्दी में आयोजित सभाओं ने स्वातंत्र्य वीरों की सेना को अधिक बल दिया । हिन्दी का प्रभाव हमारे राष्ट्रगीत, साहित्य, सिनेमा, व्यापार हर जगह दिखाई देता है। अंग्रेजो को दी गई छोटी सी छूट की वजह से ईस्ट इंडिया कंपनी जैसे व्यापार के माध्यम से अंग्रेजी ने पूर्ण भारत पर अपना कब्जा जमा लिया। देश तो आजाद हो गया पर अंग्रेजी भाषा की गुलामी अभी तक चल रही थी । हिन्दी ने कल भी अपना प्रभाव रखा था व आज के वर्तमान समय में भी अपना उत्तरदायित्व अच्छी तरह से निभा रही है। वो क्षण भी अविस्मरणीय था, जब हमारे देश के माननीय पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने राष्ट्रसंघ महासभा में सन् 1977 में जब हिन्दी में अपना भाषण प्रस्तुत किया था। कई सालों से चली आ रही परिपाठी का उन्होंने त्याग कर हमारे देश की भाषा में भाषण देकर हिन्दी का न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी मान बढ़ाया। वर्तमान प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदीजी ने भारत के अलावा विश्व के जितने भी राष्ट्रों का भ्रमण किया वहां वहां उन्होंने हिन्दी भाषा में अपना भाषण व अपना संबोधन दिया। श्री मोदीजी विश्व में सर्वाधिक लोकप्रिय नेता होने की एक वजह यह भी है कि, वे जहां भी जाते है हिन्दी में वार्तालाप कर वहां के स्थानीय लोगों से जल्दी जुड़ जाते है । हिन्दी भाषा के प्रयोग की वजह से लोग मोदीजी को करीब से जानने के लिए उत्साहित हो जाते है व उनसे संपर्क बनाना व अपनी समस्याएं बताना उन्हें आसान लगता है। मोदीजी द्वारा हर जगह हिन्दी भाषा के प्रयोग से हर सरकारी कार्य व नीतियां गरीब व दूर दराज के इलाकों में रहने वाले लोगों तक पहुंच जाती है। मन की बात कार्यक्रम अखिल भारतीय रेडियो पर प्रसारित होने से वे अधिक से अधिक लोगों तक जुड़े जाते है । इजराइल, चीन व अमेरिकी राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने मोदीजी का स्वागत हिंदी में किया । हिन्दी का प्रयोग चुनाव में नेताओं, राजनेताओं द्वारा उपयोग करने का असर सीधे तौर पर राजनीतिक परिवेश में देखा जाता है। हिन्दी में सत्ता पलटाने व राजनीतिज्ञ उथल पुथल मचाने की ताकत है । आज कई निजी रेडियो चैनल हिन्दी गीतों व कार्यक्रमों का प्रसारण कर रहे है। विज्ञापन जगत में भी हिन्दी भाषा को जनसंपर्क की भाषा के रूप में अधिक इस्तेमाल किया जाता है। आज हिन्दी विज्ञापनों का इस्तेमाल बड़ी से बड़ी कंपनियां कर रही है। इंटरनेट व सोशल मिडिया में हिन्दी भाषा अनुवाद टूल व यूनिकोड की मदद की वजह से आज हिन्दी सबसे सरलतम तौर पर सभी की पहुंच में है।

हिन्दी सिनेमा भारत से ज्यादा भारत के बाहर कमाई कर लोकप्रियता के सारे रिकॉर्ड तोड़ती है। दूसरी भाषाओं व विदेशी भाषाओं की फिल्में भी अब हिन्दी में डब कर सामान्य व अधिक लोगों तक पहुंच पाई है।

भविष्य में भी हिन्दी संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपनी जगह बना पाएगी । आज के परिचालन में हिन्दी का भविष्य बहुत ही उज्वल दिखाई पड़ता है। आज विश्व के हर राष्ट्र में भारतवासी कामकाज या शिक्षा हासिल करने हेतु पहुंच गए है। वहां पर स्थित भारतीयों ने हिन्दी को बढ़ाने का दायित्व बखूबी ले रखा है। वे वहां पर बड़ी धूमधाम से हिन्दी का साहित्य, पत्रिकाएं, ब्लॉग, चैट, ई-मेल, व्हॉटसएप द्वारा हिन्दी को बढ़ावा दे रहे है। वे हिन्दी कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस मनाते है । विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन भी विभिन्न देशों में किया जाता है।

दिनांक 06/09/2018 को प्राग (चेक रिपब्लिक के) में जब भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंदजी पहुंचे तो उनका स्वागत हिन्दी गीत गाकर किया गया। आज सारा विश्व ही हिन्दीमय हो गया है और भविष्य में भी विश्व में हिन्दी का बोलबाला व लोकप्रियता बढती प्रतीत होती है।

<u>“हिन्दी - कल आज और कल”</u>

श्री गणेश आष्टीकर,
क.श्रे.लि. नागपुर

भारत देश में ऐसे तो अनेक भाषाएं बोली जाती है और देश में अनेक भाषाओं का मिलाप भी है, पर आज हिन्दी हमारी अपनी भाषा है क्योंकि हिन्दी सबसे ज्यादा बोली, समझी और लिखी जाने वाली भाषा है। इसी कारण उसे दिनांक 14 सितंबर 1949 को राजभाषा का दर्जा दिया गया है।

आइए हम जानते है कि “ कल” हिन्दी भाषा की स्थिती क्या थी । पिछले 500 वर्षों की बात करें तो भारत में अनेक भाषाएं बोली और जानी जाती थी विशेषत: फारसी, उर्दू, पाली, यह मुख्य भाषाएं थी क्योंकि भारत वर्ष में अनेकों प्रान्त, राजा-महाराजाओं का राज था, वे जिस भाषाओं में कामकाज करते थे उसी प्रान्त की वह भाषा बन जाती थी। इसलिए सभी लोग हिंदी जानते हुए भी बहुत कम मात्रा में हिंदी में कामकाज होता था । पर हिंदी भाषा में अनेक भाषा का मिलाप है। जैसे हिंदुस्तान, गवाह ऐसे अनेक शब्द फारसी से लिए गए थे। जैसे-जैसे समय बितता गया वैसे-वैसे हिंदी

की ओर लोंगो का झुकाव बढ़ता गया क्योंकि सभी प्रान्तों में लोग अपने उपर होने वाले अत्याचारों से त्रस्त थे। पिछले दो सौ साल भारत में अंग्रेजों ने राज किया और उन्होंने आम लोगों पर अंग्रेजी थोप दी क्योंकि अंग्रेजों की कामकाज की भाषा अंग्रेजी थी पर इतना होने के बावजूद लोग अंग्रेजी की ओर न झुकते हुए हिंदी भाषा को ही अपनी भाषा मानने थे और उन्होंने अंग्रेजी के साथ साथ अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई में पूर्ण एकजुटता होकर अपनी आजादी प्राप्त की क्योंकि हिंदी भाषा ने ही लोगों को अंग्रेजी तथा अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की प्रेरणा दी। हिंदी के कारण ही हमारा देश आजाद हो सका है।

हम भूतकाल में झांक कर देखें तो हिंदी भाषा का विकास सबसे ज्यादा इसी काल में हुआ है। बहुत से महाकवियों ने अपनी कविताएं हिंदी में लिखी है । इसलिए कल काल में हिंदी बहुत समृध्द भाषा थी। लेकिन कल में से आज में आते आते हमें हिंदी के तरफ कम ध्यान दिया है।

जब 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया लेकिन लोगों की अंग्रेजी की मानसिकता देखते हुए अंग्रेजी को भी हमने राजभाषा की तरह सम्मान दिया इसका परिणाम यह हुआ की आज हमें हर साल अपनी ही हिंदी भाषा का दिवस मनाना पड़ता है की वे ज्यादा से ज्यादा काम हिंदी में करें। आज हिंदी की दशा ऐसी क्यों हुई। अगर उसी समय समय पर अंग्रेजी को लोगों से तथा सरकारी कामकाज से निकाल बाहर करते तो आज हिंदी की ऐसी दशा न होती ।

पर आनेवाला कल हिंदी के लिए फिर से समृध्द है, आनेवाला कल सायबर तथा कम्प्यूटरों का युग है, अपने वाला कल व्हॉट्सएप, फेसबुक, ट्विटर का है। हम देख रहें है कि हर कम्प्यूटर, व्हॉट्सएप, फेसबुक, ट्विटर में लोग ज्यादा से ज्यादा हिंदी में अपने विचार व्यक्त करते है। अनेक राजनेता, कलाकार यहां तक भी आम लोग अपने ब्लॉगर हिंदी में लिखते है । इसी को देखते हुए हर कंपनियां अपना प्रचार हिंदी में ही करते है । यहां तक की गुगल, मायक्रोसाफ्ट जैसे कंपनियों ने अपना अधिकतर कार्य हिंदी में करना शुरू कर दिया है क्योंकि आज हिंदी का मान सभी भाषाओं में सर्वोत्तम है तथा हिंदी आज यू.एन.ओ. की प्रमुख भाषा में सम्मिलित होने की कगार पर है। वे दिन दूर नहीं जब हिंदी संसार में सबसे ज्यादा समझी, बोली और लिखी जाने वाली भाषा होगी। हम सब को उस कल की प्रतिक्षा करनी है तथा उस आने वाले कल में हिंदी को और समृध्द तथा शक्तिशाली बनने के लिए हमें आज से ही प्रयत्न शुरू करने होंगे क्योंकि हिंदी भाषा बेहद प्रभावशाली भाषा है और सबसे महत्वपूर्ण, यह जन जन की भाषा है।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2019-20 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% **4.** क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति 100%	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% **4.**ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 90%	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% **4.** ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति 55%
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	**100%**	**100%**	**100%**
3.	हिंदी में टिप्पण	**75%**	**50%**	**30%**
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	**70%**	**60%**	**30%**
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	**80%**	**70%**	**40%**
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	**65%**	**55%**	**30%**
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	**100%**	**100%**	**100%**
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	**100%**	**100%**	**100%**
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/ डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	**50%**	**50%**	**50%**
10.	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की द्विभाषी रूप में खरीद ।	**100%**	**100%**	**100%**
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	**100%**	**100%**	**100%**
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	**100%**	**100%**	**100%**

13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	**25%**(न्यूनतम)	**25%**(न्यूनतम)	**25%**(न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	**25%** (न्यूनतम)	**25%** (न्यूनतम)	**25%** (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति		वर्ष में 2 बैठकें	
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)	
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	**100%**		

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) की भूमिका

अग्नि और विस्फोटों से जनजीवन तथा सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, संगठन को एकसंविधिक प्राधिकरण के रूप में, विस्फोटक अधिनियम, 1884, पेट्रोलियम अधिनियम, 1934,तथा इन अधिनियमों के तहत बनाए गए विभिन्न नियमों के अंतर्गत जिम्मेदारियां सौंपी गई है ।

कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेसो, नागपुर की राजभाषायी गतिविधियाँ

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो), नागपुर अपने पाँच अंचल कार्यालय तथा अठारह उप-अचंल कार्यालय, विभागीय परीक्षण केंद्र तथा आतिशबाजी अनुसंधान तथा विकास केंद्र के साथ भारत सरकार, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य का पूर्ण अनुपालन हेतु समन्वित प्रयास करता हैं। संगठन प्रमुख के नेतृत्व में यह कायार्लय पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं और राजभाषा की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने हेतु कृतसंकल्प हैं।

कार्यालय राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित है और लगभग सभी अधीनस्थ कार्यालय अधिसूचित किए जा चूके हैं। चूंकि यह संगठन का मुख्यालय हैं अत: मंत्रालय, आदि से प्राप्त विभिन्न निर्देश, पत्रादि सभी अंचल कार्यालयों को प्रेषित कर सभी कार्य का मानिटरिंग किया जाता हैं। जन संपर्क कार्यालय होने के कारण आगंतुको हेतु आगंतुक पास, अधिकारियों के विजिटिंग कार्ड्स द्विभाषी जारी किए जा रहें है। प्रतिदिन सूचना फलक पर हिन्दी एवं अंग्रेजी में सुविचार लिखा जाता है एवं राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे है जिसमें आयटी टूल्स का प्रभावी प्रयोग किया जा रहा है-

राजभाषा कार्यान्वयन -कंप्यूटर/आय टी टूल्स का प्रयोग-

हिंदी का और अधिक प्रभावी प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए संगठन द्वारा हिंदी प्रयोग के लिए मानकभाषा एनकोडिंग- यूनिकोडका प्रयोग किया जा रहा है। सभी कंप्यूटर्स यूनिकोड समर्थित किए गए हैं। संगठन में कंप्यूटरीकरण के अंतर्गत यांत्रिक और इलेक्ट्रानिक उपकरणों का प्रयोग कार्यालयीन कार्य में किया जा रहा है और इसी दौर में नई सुविधाएं जैसे द्विभाषी मॉड्यूल्स, वेबसाईट, ई-मेल, इंटरनेट, सपोर्ट साईट का प्रयोग राजभाषा के प्रचार-प्रसार में गति प्रदान कर रहा है। मंत्रालय द्वारा जारी महत्वपूर्ण निदेशों,पत्रों इत्यादी को हिन्दी अधिकारी के ई-मेल आय डी द्वारा तथा संगठन की सपोर्ट साईट के माध्यम से सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों को यथा शीर्घ अनुपालना हेतु प्रेषित किए जाते है। संगठन में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाईन मॉड्यूल बनाकर अंचल कार्यालय की तिमाही रिपोर्ट ऑनलाईन प्राप्त कर समीक्षा की जा रही हैं।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशो के अनुपालन में राजभाषा विभाग की वेबसाईट पर सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से वर्ष 2012 से वर्तमान तक सभी तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट राजभाषा विभाग' क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय को ऑनलाईन प्रेषित की जा रही हैं। संगठन की वेबसाईट का पूर्ण रूप से द्विभाषीकरण का कार्य प्रगति परहैं।

मूल रूप से हिन्दी में कार्य करने हेतु कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा जारी प्रोत्साहन योजना लागू है एवं प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम के तहत कर्मचारियों को इस योजना के अंतर्गत पुरस्कृत किया गया। वर्ष के दौरान कार्यालयीन कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता लाने के उद्येश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर सभी को अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने हेतु प्रेरित किया जाता हैं।

तिमाही बैठको का आयोजन -

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की न्यूनतम 4 बैठको का आयोजन किया गया और हर तिमाही के लिए एक कार्ययोजना बनाई गई। बैठके दि 15 जुलाई 2019, 18.10.2019, 15.01.2020 14.07.2020 को आयोजित की गई थी। इस संदर्भ में, की गई कार्रवाई की जानकारी आगामी तिमाही बैठक में दी गई जिसके द्वारा एक समयबद्ध कार्ययोजना का कार्यान्वयन हो रहा है।

राजभाषा नीतियों एवं विनियम के सुचारू रूप से कार्यान्वयन हेतुं गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के आधार पर जांच बिन्दु बनाएं गए तथा बैठक में सभी अधिकारियों एवं शाखा प्रमुखो को अनुपालनार्थ इसकी प्रतियां वितरित की गई।

राजभाषा विभाग द्वारा जारी निदेशानुसार राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कर्मचारियों को कठिन हिन्दी के बजाय सरल एवं सहज हिन्दी का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है।

न.रा.का.स.,नागपुर की बैठको, आदि आयोजनो में सहभाग

राजभाषा हिन्दी की प्रगति हेतु नराकास द्वारा बुलाई गई बैठकों मे कार्यालय के अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से सहभाग लिया जाता है। नराकास के गतिविधियों के लिए रू 12,000/- अंशदान दिया गया। न.रा.का.स., नागपुर की दोनो छमाही बैठको दि. 20.05.2019 और 22.10.2019 में मुख्य विस्फोटक नियंत्रक तथा हिन्दी अधिकारी द्वारा भाग लिया गया। इसके अलावा नराकास (का-1), नागपुर की कार्यकारी/ संपादक मंडल सदस्या के रूप में हिन्दी अधिकारी द्वारा दि. 27.12.2019 को नागपुर स्थित कार्यालयों के राजभाषा कार्यान्वयन प्रविष्टियां एवं हिन्दी गृह पत्रिकाओं के मूल्यांकन हेतु आयोजित संपादक मंडल की बैठक में भाग लिया। इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रमो जैसे- हिन्दी संगोष्ठियों, अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन,अंतर्कार्यालयीन हिन्दी प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाए, आदि मे भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

राजभाषायी निरीक्षण

वर्ष 2019-2020 में पेसो, नागपुर के अधिकारियों द्वारा अंचल/उप-अंचल कार्यालयों का राजभाषायी निरीक्षण किया गया।

हिन्दी कार्यशालाओ का आयोजन-

- दि. 08.03.2020 को विवेका अस्पताल के चिकित्सक- डॉ. प्रशांत जगताप एवं डॉ. साखरे द्वारा अपराह्न 04.00 बजे वर्तमान कोरोना माहमारी से संबंधित जानकारी देते हुए हिन्दी कार्यशाला संबोधित की एवं सभी को इस बिमारी के बारे में जागरूक किया।

- दि. 13.09.2019 को हिन्दी पखवाडे के शुभारंभ के अवसर पर डॉ मनोज पाण्डे, प्रोफेसर, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यालय को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने हिन्दी की स्थिति और संभावनाएं विषय पर हिन्दी कार्यशाला संबोधित की।
- दि. 02.10.2019 को संगठन के गोंडखैरी स्थित पेट्रोलियम एवं विस्फोटक राष्ट्रीय अकादमी एवं परीक्षण केन्द्र, गोंडखैरी में संगठन प्रमुख महोदय द्वारा स्वागत संबोधन एवं श्री ए बी तामगाडगे, विस्फोटक नियंत्रक द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर पावरपॉईंट प्रेझेंटेशन दिया गया।
- दि.05.02.2020 को "कार्यालयीन कार्य में ली जाने वाली पूर्वावधानियां" इस विषय पर श्री एम. के. झाला,सं.मु.वि.नि. द्वारा संबोधन किया गया।

पेसो, नागपुर में हिन्दी पखवाडा का आयोजन

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रति जागरूकता तथा उसके उत्तरोत्तर प्रयोग में गति लाने के उद्देश्य से कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक नागपुर (पेसो)में1 3 सितंबर 2019 से 27 सितंबर 2019 तक हिन्दी दिवस के साथ हिन्दी पखवाडा बडे ही हर्षोल्लास से मनाया गया।

13 सितंबर 2019 को कार्यालय के संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं संगठन प्रमुख श्री एम . के. झाला द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित कर पखवाड़े का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर पखवाडा अध्यक्ष के रूप में श्री वी. के. मिश्रा, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा संगठन मे राजभाषा के प्रचार प्रसार के लिये आयोजित हिंदी पखवाडे की जानकारी दी। कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डॉ वैशाली चिरडे व्दारा समस्त पखवाड़ें का प्रबंधन एवं मंच संचालन किया गया।

शुभारंभ के अवसर पर नागपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ मनोज पाण्डेयजी द्वारा "*हिन्दी की स्थिति और संभावनाएं*" इस विषय पर हिन्दी कार्यशाला संबोधित की गई एवं हिन्दी दिवस को *भारतीय भाषा दिवस* के रूप में मनाने की बात कही। उन्होने सभी से ऐसे अवसरों पर आत्म परीक्षण करते हुए कार्यालयी स्तर पर आज ही से हिन्दी में हस्ताक्षर करने का निवेदन किया एवं विभाग से संबंधित हिन्दी शब्दों को संग्रहित करने को कहा ताकि हिन्दी की सच्ची सेवा हो।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं संगठन प्रमुख श्री एम. के. झाला द्वारा हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में गृह मंत्रालय, राजभाषा वि□भाग द्वारा जारी गृह मंत्रीजी के संदेश का अनुपालनार्थ पठन किया गया।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढावा देने के उद्देश्य से हिन्दी पखवाडे के अंतर्गत अधिकारियो/कर्मचारियों की रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच उपलब्ध कराते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया- जैसे- हिन्दी टंकण (यूनिकोड) , हिन्दी टिप्पण-आलेखण, हिन्दी निबंध, हिन्दी श्रृतलेखन, प्रश्नोत्तरि/ लोगो एवं पंच लाईन, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता, आदि।

सभी प्रतियोगिताओं में अधिकारियों व कर्मचारियों ने बडे उत्साह के साथ बढचढकर भाग लिया। संगठन प्रमुख महोदय के निर्देशानुसार कार्यालय के तकनीकी अधिकारियों को इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में नामित किया गया। इस तरह प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का हिन्दी पखवाडे में महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा हमारा मूल उद्देश्य प्रसार सफल -राजभाषा प्रचार - प्रतीत हुआ ।

पखवाडे का समापन 27 सितंबर2019 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर रा.तु.म. नागपुर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग की प्रोफेसर डॉ वीणा दाढे .द्वारा हिन्दी

के महत्व को प्रतिपादित किया। संगठन प्रमुख एवं डॉ. वीणा दाढे द्वारा संगठन की हिन्दी ई गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण अंक 19 का विमोचन किया गया और हिन्दी पखवाडे के अंतर्गत आयोजित हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सरकार की हिन्दी पुरस्कार योजना के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस पत्रिका का संपादन कार्यालय की हिन्दी अधिकारी डॉ. वैशाली चिरडे व्दारा किया गया।

इस आयोजन में मुख्यालय के सभी अधिकारी/ कर्मचारी, संगठन के लेखा कार्यालय के सभी अधिकारी/कर्मचारी, आदि उपस्थित हुए थे।

सरकारी कामकाज हिन्दी में प्रभावी रूप से करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ ग्रंथ/राजभाषा हिन्दी के महान रचनाकारों/हिन्दी साहित्य/वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य/आदि विषय की हिन्दी "पुस्तको की प्रदर्शनी" आयोजित की गई। अतिथि महोदया द्वारा कार्यालय में उपलब्ध पुस्तकों के संकलन की सराहना की ।

मुख्य अतिथि एवं संगठन प्रमुख महोदय के कर कमलो द्वारा हिन्दी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मूल काम हिन्दी में करने वाले कर्मचारियों एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

अंत में श्री एस.डी. मिश्रा, वि.नि. एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

न.रा.का.स., नागपुर के तत्वावधान में पेसो, नागपुर में अंतर कार्यालयीन प्रतियोगिता "तात्कालिक हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

राजभाषा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नराकास, नागपुर के तत्वावधान में पेसो, नागपुर में दि. 02.08.2019 को अंतर कार्यालयीन प्रतियोगिता "तात्कालिक हिंदी भाषण" का आयोजन किया गया ।

नागपुर स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों/उपक्रम/निगम/आदि कार्यालयों से इस प्रतियोगिता हेतु कुल 18 प्रतिभागियों ने भाग लिया । सर्वप्रथम डॉ. वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी द्वारा सभी का स्वागत किया गया । इस आयोजन की अध्यक्षता करते हुए श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (वि.अ.) द्वारा मार्गदर्शन पर संबोधन किया गया । न.रा.का.स., नागपुर के निर्देशों के अनुपालन में डॉ. जयप्रकाश, राजभाषा प्रभारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नागपुर को प्रतियोगिता में नराकास प्रतिनिधि/ पर्यवेक्षक एवं परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने प्रतियोगिता के बारे में और नराकास की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

तत्पश्चात प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा उनके द्वारा निकाली गई पर्ची के अनुसार उसमें लिखे विषय पर 3 मिनिट तात्कालिक भाषण दिया गया। सभी प्रतिभागियों को भाग लेने पर सहभागिता प्रमाण-पत्र जारी किया गया।

इस अवसर पर कार्यालय के श्री वी. के. मिश्रा, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक महोदय द्वारा अपनी रचना प्रस्तुत की गई। परीक्षक महोदय द्वारा दिया गया अंतिम परिणाम न.रा.का.स., नागपुर को अग्रिम कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया।

श्री एम. के. झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक (वि.अ.), श्री वी. के. मिश्रा, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी, कार्यालय की हिन्दी अधिकारी श्रीमती वैशाली चिरडे एवं डॉ. जयप्रकाश, राजभाषा प्रभारी, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नागपुर/ नराकास प्रतिनिधि/ पर्यवेक्षक एवं नागपुर स्थित विभिन्न सरकारी कार्यालयों / उपक्रम/निगम/आदि से सहभागी "तात्कालिक हिंदी भाषण प्रतियोगिता" के प्रतिभागी

कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मध्यांचल, आगरा की राजभाषायी गतिविधियाँ

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न आदेशों / अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ ही कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, आगरा विभिन्न राजभाषायी गतिविधियों के आयोजन के द्वारा अपने स्तर पर भी राजभाषा की प्रगति के लिए हरसम्भव प्रयत्नशील रहता है । राजभाषा के प्रति कार्यालय के समर्पण एवं निष्ठा को विभिन्न स्तरों पर पुरस्कृत भी किया जाता रहा है । जहाँ एक ओर दिनांक 29.04.2019 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, आगरा की 75वीं छमाही बैठक में वर्ष 2018-2019 में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को आगरा **नगर स्थित समस्त केन्द्र सरकार के कार्यालयों में प्रथम पुरस्कार** प्रदान किया गया वहीं दूसरी ओर वर्ष 2018 - 2019 के लिए केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों (11 से 50 कार्मिकों वाले) की श्रेणी में कार्यालय को **क्षेत्रीय स्तर पर भी प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की गई है ।**

नियमित त्रैमासिक सभाओं तथा कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त प्रति वर्ष वार्षिक गृह पत्रिका 'मध्यांचल दर्पण' का प्रकाशन भी किया जाता है। इस वर्ष पत्रिका के 16वें अंक को ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। वार्षिक गृह पत्रिका के अतिरिक्त विगत दो वर्षों से अधिक समय से

नियमित त्रैमासिक बुलेटिनों 'मध्यांचल समाचार' का भी प्रकाशन किया जा रहा है एवं अब तक इसके 13 अंकों का सफल प्रकाशन किया जा चुका है।

संगठन के कार्य की प्रकृति तकनीकी होने के बावजूद कार्यालय द्वारा मुख्यालय से नियमित पत्राचार एवं अथक प्रयासों से अनुज्ञप्तियों का शत प्रतिशत द्विभाषीकरण करा लिया गया है एवं कार्यालय द्वारा धारा 3(3) का शत प्रतिशत अनुपालन किया जा रहा है। राजभाषा संवर्धन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तकनीकी एवं गैर तकनीकी विषयों पर गोष्ठी एवं परिचर्चाओं का भी आयोजन किया गया । गोष्ठियों में तकनीकी विषयों पर भी हिन्दी में प्रस्तुतियां दी गईं ।

दिनांक 12.03.2020 को वर्ष 2019-2020 की चतुर्थ हिंदी कार्यशाला, ज्वलंत एवं सुसंगत विषय **कोविड-19 : बचाव एवं सुरक्षा हेतु उठाए जाने वाले कदम** पर आयोजित की गई जिसमें कार्यालयाध्यक्ष डा.ए.पी.सिंह, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने व्याख्यान दिया एवं कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कोरोना से रोकथाम हेतु उठाए जाने वाले कदमों एवं इससे सुरक्षित रहने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की ।

दिनांक 13.09.2019 से 27.09.2019 तक आगरा कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान पोस्टर / स्लोगन प्रतियोगिता के अतिरिक्त हिंदी निबंध, काव्य पाठ, अन्ताक्षरी, शब्द ज्ञान, टिप्पणी/ आलेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया । हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित अन्ताक्षरी प्रतियोगिता, हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता आदि में कार्यालय में उपस्थित आगंतुकों ने भी सहभागिता की एवं अंताक्षरी प्रतियोगिता में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा गाए गए गीतों का आनन्द लिया। आगंतुकों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी पखवाड़ा के कार्यक्रमों में आगंतुकों को शामिल करने का कार्यालय का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है एवं यह भी राजभाषा के प्रचार-प्रसार का एक माध्यम है।

पुरस्कार वितरण एवं हिंदी पखवाड़ा समापन के अवसर पर दिनांक 27.09.2019 को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर डा.आर.एस.तिवारी, भूतपूर्व सहायक निदेशक (राजभाषा), कार्यालय आयकर आयुक्त, आगरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए तथा उन्होंने हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता के अन्तर्गत बनाए गए पोस्टरों के लिए निर्णायक के तौर विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की । दिनांक 27.09.2019 को पखवाड़ा समापन के अवसर पर कार्यालय द्वारा प्रकाशित की जाने वाली त्रैमासिक समाचार बुलेटिन ''मध्यांचल समाचार''के 11वें अंक का विमोचन किया गया।

<u>त्रैमासिक हिंदी बैठकों का विवरण</u>

1.	दिनांक 30.04.2019	प्रथम त्रैमासिक बैठक
2.	दिनांक 06.09.2019	द्वितीय त्रैमासिक बैठक
3.	दिनांक 04.12.2019	तृतीय त्रैमासिक बैठक
4.	दिनांक 12.03.2020	चतुर्थ त्रैमासिक बैठक

<u>त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं का विवरण</u>

1. दिनांक 27.06.2019 को ''राष्ट्रीय स्तर पर, राजभाषा के रूप में हिंदी की स्थिति एवं सुधार हेतु संभावित उपाय'' विषय पर प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला।
2. दिनांक 25.09.2019'' को व्याकरणिक हिंदी और उसके प्रयोग'' विषय पर द्वितीय त्रैमासिक कार्यशाला
3. दिनांक 04.12.2019 को ''कम्प्यूटर युग में राजभाषा हिंदी का बदलता स्वरूप'' विषय पर तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला
4. दिनांक 12.03.2020 को ''कोविड-19: बचाव एवं सुरक्षा हेतु उठाए जाने वाले कदम'' विषय पर चतुर्थ त्रैमासिक कार्यशाला

वर्ष 2019 -2020 की प्रथम त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला में विचार व्यक्त करते हुए
मुख्य अतिथि डा.शशि तिवारी जी एवं कार्यालयाध्यक्ष डा.ए.पी.सिंह, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

दिनांक 13.09.2019 से 27.09.2019 तक आयोजित हिन्दी पखवाड़ा का शुभारम्भ, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ । कार्यालय में उपस्थित आगंतुकों को भी इन आयोजनों में शामिल किया गया । पखवाड़ा समापन के अवसर पर मध्यांचल समाचार के 11वें अंक का विमोचन भी किया गया ।

दिनांक 29.04.2019 एवं दिनांक 18.09.2019 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की क्रमश: दो छमाही बैठकों में कार्यालय प्रमुख, राजभाषा अधिकारी एवं हिन्दी अनुवादक ने भाग लिया।

दोनों नराकास बैठकों में श्रीमती श्रावणी गांगुली, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक द्वारा सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की गई।

दिनांक 25.09.2019 को द्वितीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

डा. डी.वी.सिंह, मुख्य सम्पादक एवं विशेषज्ञ (हिंदी), नेक्सराइज़ प्रकाशन, नोएडा, अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित हुए ।

दिनांक 04.12.2019 को तृतीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं इस अवसर पर डा.सुनीता रानी घोष, प्रोफेसर (हिंदी), आगरा कॉलेज, आगरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई।

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, भोपाल कार्यालय

कार्यालय में त्रैमासिक हिंदी बैठकों एवं त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त समय समय पर कार्यालय प्रमुख महोदय की अध्यक्षता में शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों का आयोजन किया गया एवं ऐसी सभी बैठकों में राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की भी नियमित समीक्षा की गई एवं आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया एवं इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठकों में भी कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा से सम्बद्ध कर्मचारी ने नियमित रूप से भाग लिया।

त्रैमासिक हिंदी बैठकों का विवरण

1. दिनांक 05.04.2019 प्रथम बैठक
2. दिनांक 06.09.2019 द्वितीय बैठक
3. दिनांक 04.12.2019 तृतीय बैठक

त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं का विवरण

1. दिनांक 27.06.2019''तकनीकी शब्दों का राजभाषा में प्रयोग'' विषय पर प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला
2. दिनांक 16.09.2019''राजभाषा के प्रति हमारा उत्तरदायित्व'' विषय पर द्वितीय त्रैमासिक कार्यशाला
3. दिनांक 18.12.2019''राजभाषा में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति'' विषय पर तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला

दिनांक 27.06.2019 को प्रथम त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिनांक 09.09.2019 से 13.09.2019 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया।

दिनांक 16.09.2019 को द्वितीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

दि18.12.2019 को तृतीय त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, इलाहाबाद कार्यालय

कार्यालय में नियमित त्रैमासिक हिंदी बैठकों एवं त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त समय समय पर कार्यालय प्रमुख महोदय की अध्यक्षता में शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों का आयोजन किया गया एवं ऐसी सभी बैठकों में राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की भी नियमित समीक्षा की गई एवं आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।

कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया एवं इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं । नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठकों में भी कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा से सम्बद्ध कर्मचारी ने नियमित रूप से भाग लिया ।

त्रैमासिक हिंदी बैठकों का विवरण

1.	दिनांक 21.06.2019	प्रथम त्रैमासिक बैठक
2.	दिनांक 03.09.2019	द्वितीय त्रैमासिक बैठक
3.	दिनांक 23.10.2019	तृतीय त्रैमासिक बैठक
4.	दिनांक 12.03.2020	चतुर्थ त्रैमासिक बैठक

त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं का विवरण

1.	दिनांक 28.06.2019	प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला
2.	दिनांक 18.09.2019	''सरकारी कामकाज में सरल व सहज शब्दों के प्रयोग के लिए जरूरी बातें'' विषय पर द्वितीय त्रैमासिक कार्यशाला
3.	दिनांक 23.12.2019	''राजभाषा नियम तथा तिमाही व छमाही रिपोर्ट भेजते समय होने वाली त्रुटियां'' विषय पर तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला
4.	दिनांक 13.03.2020	चतुर्थ त्रैमासिक कार्यशाला

दिनांक 27.06.2019 को श्री आर.के.मण्डलोई, उप-विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री रामकृष्ण दुबे, आशुलिपिक ।।। ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, प्रयागराज की प्रथम छमाही बैठक में भाग लिया।

दिनांक 24.09.2019 को डा.टी.एल.थानुलिंगम, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, प्रयागराज की द्वितीय छमाही बैठक में भाग लिया।

दिनांक 05.09.2019 से 18.09.2019 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया । दिनांक 23.12.2019 को तृतीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा नियम एवं तिमाही व छमाही रिपोर्ट भेजते समय होने वाली त्रुटियों के बारे में चर्चा की गई ।

विस्फोटक नियंत्रक, देहरादून कार्यालय

कार्यालय में त्रैमासिक हिंदी बैठकों एवं त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त समय समय पर कार्यालय प्रमुख महोदय की अध्यक्षता में शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों का आयोजन किया गया एवं ऐसी सभी बैठकों में राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की भी नियमित समीक्षा की गई एवं आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया एवं इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठकों में भी कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा से सम्बद्ध कर्मचारी ने नियमित रूप से भाग लिया।

त्रैमासिक हिंदी बैठकों का विवरण

1.	दिनांक 30.04.2019	प्रथम त्रैमासिक बैठक
2.	दिनांक 25.09.2019	द्वितीय त्रैमासिक बैठक
3.	दिनांक 12.12.2019	तृतीय त्रैमासिक बैठक
4.	दिनांक 12.03.2020	चतुर्थ त्रैमासिक बैठक

त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं का विवरण

1.	दिनांक 25.06.2019	प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला
2.	दिनांक 11.09.2019	द्वितीय त्रैमासिक कार्यशाला

दिनांक 26.06.2019 को डा.बी.सिंह, विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास कार्या. 1), देहरादून की छमाही बैठक में भाग लिया ।

दिनांक 30.04.2019 को वर्ष 2019- 2020 की प्रथम त्रैमासिक हिंदी बैठक का आयोजन किया गया ।

दिनांक 25.06.2019 को वर्ष 2019- 2020 की प्रथम त्रैमासिक हिंदी कार्याशाला का आयोजन किया गया ।

दिनांक 09.09.2019 से 20.09.2019 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया ।

विस्फोटक नियंत्रक, रायपुर कार्यालय

कार्यालय में नियमित त्रैमासिक हिंदी बैठकों एवं त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं के आयोजन के अतिरिक्त समय-समय पर कार्यालय प्रमुख महोदय की अध्यक्षता में शीर्षस्थ प्रशासनिक बैठकों का आयोजन किया गया एवं ऐसी सभी बैठकों में राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की भी नियमित समीक्षा की गई एवं आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यशालाओं में अतिथि वक्ता के रूप में तकनीकी क्षेत्र से सम्बन्धित व्यक्तियों को आमंत्रित कर तकनीकी विषयों पर हिंदी में चर्चाएं आयोजित की गईं।

कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया एवं इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठकों में भी कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा से सम्बद्ध कर्मचारी ने नियमित रूप से भाग लिया।

त्रैमासिक हिंदी बैठकों का विवरण

1. दिनांक 10.06.2019 प्रथम त्रैमासिक बैठक
2. दिनांक 06.08.2019 द्वितीय त्रैमासिक बैठक
3. दिनांक 06.12.2019 तृतीय त्रैमासिक बैठक
4. दिनांक 12.02.2020 चतुर्थ त्रैमासिक बैठक

त्रैमासिक हिंदी कार्यशालाओं का विवरण

1. दिनांक 14.06.2019'' हिंदी में उपयोग होने वाले सॉफ्टवेयर्स'' विषय पर प्रथम त्रैमासिक कार्यशाला
2. दिनांक 17.09.2019' 'दैनिक कामकाज में उपयोग में आने वाली हिंदी के शब्दों एवं वाक्यों का सरकारी कामकाज में प्रयोग'' विषय पर द्वितीय त्रैमासिक कार्यशाला
3. दिनांक 16.12.2019 तृतीय त्रैमासिक कार्यशाला
4. दिनांक 20.03.2020 चतुर्थ त्रैमासिक कार्यशाला

- दिनांक 14.06.2019 को आयोजित प्रथम त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में श्री बृजेश कुमार, मुख्य प्रबंधक, मैसर्स हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर उपस्थित हुए।
- दिनांक 11.09.2019 से 17.09.2019 तक हिन्दी सप्ताह एवं द्वितीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- इस अवसर पर श्री डी.एन.साहू, हिन्दी प्रोफेसर, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, मुख्य अतिथी के रूप मे उपस्थित हुए ।
- दिनांक 23.09.2019से 25.09.2019 तक श्री गजराज सिंह, संयुक्त निदेशक, राजभाषा विभाग, (डीपीआईआईटी), नई दिल्ली द्वारा का कार्यालय के राजभाषायी कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 26.09.2019 को श्री आशेन्द्र सिंह, विस्फोटक नियंत्रक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की छमाही बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 16.12.2019 को आयोजित तृतीय त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला मेंश्री देवेन्द्र कुमार शुक्ला, मुख्य प्रशासनिक अधीक्षक, मै० हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर मुख्य अतिथी के रूप मे उपस्थित हुए।
- दिनांक 28.02.2020 को डा.एस.के.दीक्षित, विस्फोटक नियंत्रक, आगरा द्वारा कार्यालय के राजभाषायी कार्यों का निरीक्षण किया गया।
- दिनांक 20.03.2020को चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे श्री अभिजीत पनारी, टेरीटेरी प्रबंधक, मै० भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर मुख्य अतिथी के रूप मे उपस्थित हुए।

कार्यालय सयुंक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, उत्तरी अंचल फरीदाबाद

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न आदेशों/ अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ ही कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, फरीदाबाद द्वारा विभिन्न राजभाषायी आयोजन किए गए।

दिनांक 26.06.2019 को कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला व हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

दिनांक 12.2019 से 26.09.2019 तक कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया एवं विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

दिनांक 16.09.2019 को कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिंदी दिवस मनाया गया (दिनांक 14.09.2019 को अवकाश होने के कारण)।

दिनांक 26.09.2019 को कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला एवं हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

दिनांक 30.10.2019 को नराकास फरीदाबाद द्वारा आयोजित बैठक में श्री आर.एन.मीना, सं.मु.वि.नि., डा. एस.के सिंह, एवं श्री अजय कुमार, यूडीसी द्वारा भाग लिया गया।

दिनांक 26.12.2019 को कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला व हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

दिनांक 18.03.2020 को कार्यालय में श्री आर.एन.मीना, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला व हिन्दी कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, चंडीगढ

कार्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और यह कार्यालय हमेशा ही राजभाषायी कार्य बढाने में कार्यरत रहा है। कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने हेतु हिन्दी का पर्याप्त कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है । कार्यालय में हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया और इसके अंतर्गत राजभाषा अधिनियम और उसके कार्यान्वयन की जानकारी दी गई। कार्यालय द्वारा अधिक से अधिक पत्राचार हिन्दी मे करने का प्रयास किया गया। श्री दीपक, क.श्रे.लि. द्वारा दि. 19.12.2019 को नराकास, चंडीगढ द्वारा आयोजित हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यालय प्रमुख महोदय द्वारा समय समय पर राजभाषायी कार्य की मानिटरिंग की जाती है।

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, जयपुर

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रकए जयपुर में कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में प्रत्येक तिमाही त्रैमासिक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इन सभाओं में कार्यालय मे हिन्दी संबंधी कार्यों की समीक्षा एवं मार्गदर्षन किया गया। वर्ष के दौरान आयोजित हिन्दी त्रैमासिक सभाओं का ब्यौरा निम्नवत्र है -

क. पहली बैठक दिनांक 13.06.2019
ख. दूसरी बैठक दिनांक 05.09.2019
ग. तीसरी बैठक दिनांक 09.10.2019
घ. चौथी बैठक दिनांक 20.01.2020

कार्यालय में आयोजित हिन्दी कार्यशालओं का ब्यौरा निम्नवत है -

दिनांक	विषय	व्याख्यान प्रस्तुतकर्ता
13.06.2019	राजभाषा संबंधी वार्षिक लक्ष्य एवं दिशा निर्देश	अजय सिंह उप मु. वि. नि.,जयपुर
19.09.2019	यूनिकोड के प्रयोग	श्री संजय कपूर,सहायक अभियंता, आकाषवाणी
09.10.2019	राजभाषा अधिनियम	श्री भूपेन्द्र सिंह हिन्दी अधिकारी एवं उ0 वि0 नि0

हिन्दी पखवाडा-

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, जयपुर में दिनांक 09.09.2019 से 20.09.2019 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया। इसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बडे उत्साह से भाग लिया । इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं - हिन्दी टंकण, पोस्टर एवं स्लोगन, निबंध, वाद-विवाद, हिन्दी अनुवाद एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में श्री अजय सिंह, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रकए जयपुर एवं अन्य अधिकारियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिये गये।

राजभाषा संबंधित अन्य बैठकें-

क. नराकास, जयपुर के 77वीं अर्द्धवार्षिक बैठक में दिनांक 29.08.2018 को श्री अजय सिंह, उ. मु. वि. नि, श्री भूपेन्द्र सिंह, उप वि. नि., एवं श्री दीपनारायण प्रसाद गुप्ता, उ. श्रे. लि. ने भाग लिया।

ख. नराकास, जयपुर के 78वीं अर्धवार्षिक बैठक में दिनांक 28.01.2020 को श्री भूपेन्द्र सिंह, उप वि. नि. एवं श्री दीपनारायण प्रसाद गुप्ता, उ. श्रे. लि. ने भाग लिया।

श्री रोहित चग्तु, आशुलिपिक ग्रेड.3 एवं श्री सुनील, अवर श्रेणी लिपिक नं 15/10/2019 से 17/10/2019 तक /तीन दिवसीय/ दूरस्थ माध्यम से हिन्दी टंकण प्रशिक्षण मे भाग लिया।

कार्यालय सयुंक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी अंचल कोलकाता

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के विभिन्न आदेशों / अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के साथ ही कार्यालय संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, कोलकाता विभिन्न राजभाषायी गतिविधियों के आयोजन के द्वारा अपने स्तर पर भी राजभाषा की प्रगति के लिए हरसम्भव प्रयत्नशील रहता है । कार्यालय में निम्नलिखित आयोजन किए गए-

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

वर्ष में दिनांक 11.06.2019, 16.12.2019 एवं 12.02.2020 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिन्दी बैठकों का आयोजन

वर्ष में दिनांक 10.06.2019, 23.07.2019, 22.10.2019, 13.12.2019 एव 20.01.2020 को राजभाषा कर्यान्वयन समिति द्वारा हिन्दी बैठक का आयोजन किया गया।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

कार्यालय में दिनांक 02.09.2019 से 16.09.2019 तक हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया गया। हिन्दी पखवाड़ा में विभिन्न प्रतियोगिताए आयोजित की गई जिन में पोस्टर व स्लोगन, हिन्दी टिप्पण और सुलेखन आदि प्रतियोगिताओं का समावेश था । इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के सभी कर्मचारियो ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और सभी अधिकारियों द्वारा प्रतियोगिताओं के सफल संचालन हेतु सहयोग प्राप्त हुआ। हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह एव हिन्दी दिवस के रुप मे मनाया गया। समापन समारोह में श्रीमती रजनी पोद्दार, सह-प्रध्यापिका, राष्ट्रीय लघु उद्योग कारँपोरेशन, कोलकाता को मुख्य अतिथा के रूप मे आमंत्रित किया गया। समारोह की शुरुआत डा. आर. के. राठौर, अध्यक्ष, कार्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं श्रीमती रजनी पोद्दार द्वारा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना की गई। श्री दीपक कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक एंव हिन्दी अधिकारी द्वारा हिन्दी दिवस के ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया एव पखवाड़ा के दौरान आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओ के बारे में सभी को अवगत कराया ।

इस अवसर पर डाँ आर. के. राठौर, कार्यालय अध्यक्ष द्वारा माननीय गृह मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री द्वारा लिखे गए संदेश का पठन किया गया । श्रीमती रजनी पोद्दार, डाँ. आर. के राठौर, श्री अब्दुल मत्तलिव एवं श्री सुबासिस रे, विस्फोटक नियंत्र, द्वारा प्रतियोगितओ के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए । श्री अब्दुल मुत्तलिव, विस्फोटक नियंत्रक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हिन्दी पखवाड़ा समारोह 2019 का समापन किया गया ।

<u>सहभाग-</u>

श्री दीपक कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक एव श्री एम लोहार,आशुलिपिक ने दिनांक 21.10.2019 को अखिल भारतीय स्वास्थ्य संस्थान कोलकाता नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 55 वी बैठक में भाग लिया ।

श्री दीपक कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री एम लोहार,आशुलिपिक ने दिनांक 06.02.2020 हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित हिन्दी सपंर्क अधिकारियों की बैठक में भाग लिया ।

उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, गुवाहाटी- कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, गुवाहाटी विभिन्न राजभाषायी गतिविधियों के आयोजन के द्वारा अपने स्तर पर भी राजभाषा की प्रगति के लिए हरसम्भव प्रयत्नशील रहता है । कार्यालय में निम्नलिखित आयोजन किए गए- दिनांक 07/06/2019 को श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग, गुवाहाटी द्वारा इस कार्यालय में हिंदी में हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत उनके द्वारा वर्ष 2018-19 की अवधि में कार्यालय में हिंदी में हुए सराहनीय कार्यों के लिए डा. एम.आई.जेड. अंसारी, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री गगन अग्रवाल, उप विस्फोटक नियंत्रक/हिंदी अधिकारी को ''प्रशस्ति पत्र'' दिया गया एवं भविष्य में इसी प्रकार कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यालय में दिनांक 07/06/2019 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 10/06/2019 को श्री गजराज सिंह, संयुक्त निदेशक, राजभाषा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा इस कार्यालय में हिंदी में हो रहे कामकाज की समीक्षा की गयी एवं कार्यालय में हिंदी में हो रहे कार्यों की सराहना की गयी एवं भविष्य में इसी तरह कार्य करने हेतु कर्मचारियों/अधिकारियों को प्रोत्साहित किया गया। दिनांक 21/06/2019 को कार्यालय में ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, इस आयोजन की कार्यवाही हिंदी में की गयी। कार्यालय में दिनांक 02/09/2019 से 16/09/2019 तक ''हिंदी पखवाडा'' का आयोजन किया गया। इस दौरान दिनांक 03/09/2019 को नराकास, गुवाहाटी द्वारा आयोजित ''छमाही बैठक'' में डा0 एम.आई.जेड. अंसारी, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, श्री एस0 के0 भोले0 उप विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री गगन अग्रवाल, उप विस्फोटक नियंत्रक/ हिंदी अधिकारी सम्मिलित हुए। इस बैठक में इस कार्यालय द्वारा ''राजभाषा प्रदर्शनी'' का आयोजन किया गया, जिसके लिए इस कार्यालय को नराकास, गुवाहाटी की ओर से ''प्रशस्ति पत्र'' प्रदान किया गया। दिनांक 09/09/2019 को कार्यालय में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। दिनांक 11/09/2019 को कार्यालय में ''हिंदी कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बदरी यादव, अनुसंधान अधिकारी, राजभाषा विभाग, गुवाहाटी को आमंत्रित किया गया। दिनांक 14/09/2019 को कार्यालय में ''हिंदी दिवस'' का आयोजन किया गया। श्री सोम प्रकाश जी, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार के गुवाहाटी आगमन के दौरान दिनांक 16/09/2019 एवं 17/09/2019 को डा0 एम.आई.जेड. अंसारी, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री गगन अग्रवाल, उप विस्फोटक नियंत्रक द्वारा पेसो, गुवाहाटी कार्यालय की उपलब्धि, भूमिका एवं कार्य से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान कार्यालय में हिंदी में हो रहे कार्यों से भी उन्हें अवगत कराया गया, जिसके पश्चात उनके द्वारा कार्यालय में हो रहे हिंदी के कार्यों की प्रशंसा की गयी। दिनांक 28/10/2019 से 02/11/2019 तक कार्यालय में ''सर्तकता सप्ताह'' का आयोजन किया गया इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में शपथ ली गयी। दिनांक 31/10/2019 को कार्यालय में ''एकता दिवस'' का आयोजन किया गया एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी में शपथ ली गयी।

दिनांक 26/11/2019 को कार्यालय में ''संविधान दिवस'' का आयोजन किया गया इस दौरान कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शपथ हिंदी में ली गयी। दिनांक 26/11/2019 को कार्यालय में तिमाही अवधि हेतु कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यालय में वर्ष 2019-20 की अवधि के दौरान दिनांक 07/06/2019, 11/09/2019, 27/11/2019 एवं 10/02/2020 को चार हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की गयी। वर्ष 2019-20 की अवधि के दौरान कार्यालय की सभी तिमाही, छमाही एवं वार्षिक हिंदी रिपोर्टें, पेसो एवं राजभाषा विभाग की वेबसाइटों पर ऑनलाइन निर्धारित समयावधि में भेजना सुनिश्चित किया गया।

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, रॉची

कार्यालय में निम्नलिखित राजभाषायी आयोजन किए गए-

दिनांक 27/06/2019, 29/08/2019, 3/12/2019 एवं 04/03/2020 को हिंदी सभा का आयोजन किया गया।

- दिनांक 27/10/2019, 03/12/2019, 04/03/2020 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 16 सितम्बर 2019 को हिन्दी दिवस व दिनांक 13/9/2019 से 27/9/2019 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया ।
- हिन्दी पखवाडा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 27/10/2019 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया इस दौरान 'उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक' द्वारा तकनिकी क्षेत्र में बढ़ते हिंदी के प्रभाव" पर व्याख्यान दिया"।
- हिंदी दिवस पर माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का सन्देश राजभाषा अधिकारी द्वारा सभी अधिकारिओं एवं कर्मचारियों के समक्ष पढ़ा गया ।

कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, भुवनेश्वर

कार्यालय में दि.10/09/2019 से दि.17/0922019 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। यह कार्यालय "ग" छेत्र में होने के बाद भी सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ उक्त समारोह मे भाग लिया। हिन्दी सप्ताह आयोजन के दौरान हिन्दी पोस्टर प्रतियोगिता, हिन्दी श्रुतलेखन, वाद विवाद, हिन्दी सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य एवं गृह

मंत्रीजी का संदेश पढकर सुनाया एवं विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए ।

श्री संदीप कुमार, निम्न श्रेणी लिपिक द्वारा हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिन्दी टाइपलेखन प्रशिक्षण में भाग लिया एवं सफलता पूर्वक प्रशिक्षण उत्तीर्ण किया।

कार्यालय में दि. 30/04/2019, 26207/2019, 30/10/2019 एवं 17/03/2020 को विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया।

<u>विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, पटना</u>

विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय, पटना कार्यालय में वर्ष 2019-20 के दौरान राजभाषा कार्यान्वय को विशेष महत्व दिया गया और वार्षिक कार्यक्रम के अनुरुप कार्य किया गया । इस संबंध में विवरण निम्नलिखित है :

1) इस कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखते हैं ।

2) हिंन्दी 1912-द्विभाषी में प्राप्त पत्रों की संख्या /है ।

3) हिंन्दी 2221 -द्विभाषी में भेजे गये पत्रों की संख्या /है ।

4) श्री एस डी मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक, नागपुर द्वारा दिनांक 18/06/2019 को कार्यालय का विशेष निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान विभिन्न पहलुओं की जांच की गयी एवं निरीक्षक महोदय ने कार्यालय में राजभाषा संबंधित कार्यो की सराहना भी की ।

5) कार्यालय में दिनांक 02/08/2019को विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया।

6) कार्यालय में दिनांक17/10/2019को सभी अधिकारियों एव कर्मचारियों कोराजभाषा नियम के अनुसार कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के आदेश दिए गए।

7) **हिन्दी सप्ताह समारोह-**

इस कार्यालय में श्रीमान मुख्य विस्फोटक नियंत्रक के आदेशानुसार दिनांक से 16/09/2019 09/09/2019 तक हिन्दी**सप्ताह** समारोह का आयोजन किया गया । समारोह के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राजभाषा के अधिकाधिक कार्यान्वयन के महत्व पर चर्चा की । सभी ने इस विषय के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किये । कार्यक्रम के दौरान हिन्दी वाद विवाद, हिन्दी गायन, हिंन्दी काव्यपाठ की प्रतियोगिताऐं आयोजित की गयी, जिसमें सभी ने उल्लास के साथ भाग लिया । कार्यक्रम का समापन समारोह दिनांक को किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में 16/09/2019श्री चिन्तन भारद्वाज, ए 0 जी0 एम0,स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पटना को आमंत्रित किया गया था ।

(चित्र संल्गन है) ।

8) **नराकास संबंधित गतिविधियॉ -**

(क) इस कार्यालय की तिमाही रिपोर्ट नियमित रुप से विभाग के माड्यूल में एवं राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर डाली गयी एवं नराकास को भेजी गयी ।

(ख) श्री अमित कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक तथा श्री गुड्डू कुमार, अवर श्रेणी लिपिक द्वारा नराकास द्वारा आयोजित बैठकों (दिनांक 25/07/2019 से 12/12/2019)में भाग लिया गया ।

9) श्री गुड्डू कुमार, अवर श्रेणी लिपिक ने वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, मानव संसाधान विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय संगोष्ठी सेमिनार में भाग / लिया ।

<u>हिंदी सप्ताह समारोह के दौरान ली गईं कुछ लिये गये कुछ फ़ोटो</u>

संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, मुंबई कार्यालय की राजभाषायी गतिविधियां

1. दिनांक 09/04/2019 एवं 10/04/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता मे वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही की क्रमशः प्रथम एवम द्वितीय हिन्दी कार्यशाल का आयोजन किया गया जिसमे श्री पी॰ कुमार संचार माध्यम जैसी विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देकर हम सभी अधिकारी एवम कर्मचारियों को जानकारी से अवगत कराया।
2. दिनांक 01/05/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता मे वर्ष 2019-20 के प्रथम तिमाही की तृतीय हिन्दी कार्यशाल का आयोजन किया गया जिसमे श्री पी॰ कुमार तनाव मुक्त जीवन जैसी विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देकर सभी अधिकारी एवम कर्मचारी को लाभान्वित कराया।
3. दिनांक 09/05/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता मे हिन्दी मे विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस दौरान श्री एन॰ बी॰ पै, सहायक को कार्यालय के समस्त अधिकारी एवम कर्मचारियो ने उनके जन्म दिन पर विशेष रूप से बधाई दी।
4. दिनांक 10/05/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता मे कार्यालय मे हिन्दी के कार्यान्वयन के लिए समिति का पुनर्गठन किया गया ।
5. दिनांक 22/05/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर मे विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । इस क्रम मे अधिकारी एवम कर्मचारियों के बच्चों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार से सम्मानित किया गया तथा उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने हेतु महत्वपूर्ण व्याख्यान देकर उन्हे लाभान्वित किया।
6. दिनांक 20/06/2019 को नराकास की 29 वीं छमाही बैठक भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई में आयोजित की गयी जिसमें इस कार्यालय के कार्यालय प्रमुख संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक श्री पी॰ कुमार तथा हिन्दी अधिकारी श्री यू॰ एस॰ भांगे ने हिस्सा लिया।
7. दिनांक 21/06/2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कार्यालय में योग शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारी एवम कर्मचारी ने योग का आनंद उठाया तथा इस खास मौके पर संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक श्री पी॰ कुमार ने योग की उपयोगिता पर महत्वपूर्ण जानकारी दी।
8. दिनांक 26/06/2019 एवम 27/06/2019 को विभागाध्यक्ष श्री एम॰ के॰ झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवम श्री व्ही॰ के॰ मिश्रा, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने इस कार्यालय में हो रही हिन्दी गतिविधियों का निरीक्षण किया।
9. दिनांक 08/07/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2019-20 के द्वितीय तिमाही की प्रथम कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री पी॰ कुमार महिला सशक्तिकरण जैसी विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान देकर सभी अधिकारी/कर्मचारी का मार्गदर्शन किया।
10. दिनांक 01/07/2019 से 09/08/2019 तक केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो द्वारा आयोजित प्रारम्भिक अनुवाद प्रशिक्षण में श्री राजकुमार मीना, आशुलिपिक ने हिस्सा लिया।

11. दिनांक 08/07/2019 को पश्चिमांचल में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के समस्या निवारण हेतु एक कमिटी का गठन किया गया जिसका अध्यक्ष डा॰ योगेश खरे, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक होंगे।
12. दिनांक 02/08/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2019-20 के द्वितीय तिमाही की द्वितीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसका मुख्य विषय न्यूनतम संसाधन से अधिकतम उत्पादकता रहा । इस उपलक्ष्य में श्री पी॰ कुमार तथा डा॰ योगेश खरे ने व्याख्यान देकर सभी अधिकारी एवम कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन किया।
13. दिनांक 09/09/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने अधीनस्थ कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, वरोडा में हो रहे हिन्दी कार्य गतिविधियों का निरीक्षण किया।
14. दिनांक 12/09/2019 से 26/09/2019 तक इस कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए किया गया एवम विजेताओं/प्रतिभागिओं को पुरस्कार वितरित गए । इस मौके पर समापन समारोह में राजभाषा विभाग हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान से श्री अनंत श्रीमाली, सहायक निदेशक को मुख्य अतिथि के रूप मे आमंत्रित किया गया।
15. दिनांक 16/10/2019 को श्री पी॰ कुमार संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2019-20 के तृतीय तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय केंद्रीय लोक सेवा (कंडक्ट) नियम, 1964 रहा। इस क्रम में श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवम डा॰ योगेश खरे, उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने केंद्रीय लोक सेवा (कंडक्ट) नियम, 1964 विषय पर महत्वपूर्ण एवम रोचक जानकारी से हम सभी अधिकारी एवम कर्मचारी को अवगत कराया।
16. दिनांक 30/10/2019 को राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के उप निदेशक डा॰ सुस्मिता भट्टाचार्य द्वारा इस कार्यालय के हिन्दी प्रगामी प्रयोग की स्थिति का निरीक्षण किया गया।
17. दिनांक 28/10/2019 से 02/11/2019 तक इस कार्यालय में श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में केंद्रीय सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया ।
18. दिनांक 21/11/2019 को नराकास, नवी मुंबई की 30 वीं छमाही बैठक कोंकण रेल विहार, सिवुड्स में आयोजित की गयी। इस बैठक में इस कार्यालय के प्रमुख श्री पी कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं हिन्दी अधिकारी श्री यू॰ एस॰ भांगे, उप विस्फोटक नियंत्रक ने हिस्सा लिया।
19. दिनांक 26/11/2019 को इस कार्यालय में श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया।
20. दिनांक 12/12/2019 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2019-20 के तृतीय तिमाही की द्वितीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें वार्षिक पत्रिका पश्चिमांचल दर्पण को प्रकाशित करने हेतु अन्य अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया।
21. दिनांक 09/12/2019 से 13/12/2019 तक हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत, उप निदेशक कार्यालय, सी॰ बी॰ डी॰ बेलापुर में कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम के लिए बेसिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इसमें श्रीमति नीलम केकाने, प्रवर श्रेणी लिपिक ने भाग लेकर प्रशिक्षण ग्रहण किया।

22. दिनांक 20/01/2020 को श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में वर्ष 2019-20 के चतुर्थ तिमाही की प्रथम हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला का मुख्य विषय संवाद का महत्व रहा। इस क्रम में श्री पी॰ कुमार, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने इस विषय पर रोचक एवम महत्वपूर्ण जानकारी से सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया।
23. दिनांक 20/01/2020 से 24/01/2020 तक हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत, उप निदेशक कार्यालय, सी॰ बी॰ डी॰ बेलापुर में कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम के लिए बेसिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें सुश्री सुजाता परब, प्रवर श्रेणी लिपिक ने भाग लेकर प्रशिक्षण ग्रहण किया।

संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, चेन्नई कार्यालय की राजभाषायी गतिविधियां

दिनांक	गतिविधियाँ
25/01/2019	वर्ष 2019 की चतुर्थ त्रैमासिक हिन्दी बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के सभी अधिकारीयों / कर्मचारियों ने हिन्दी में कार्य करने का संकल्प लिया।
21/03/2019	वर्ष 2019 की द्वितीय त्रैमासिक बैठक उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। वर्ष 2018-19 के दौरान टिप्पण / आलेखन में कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत प्रविष्टियों के आधार पर तीन कर्मचारियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया।
26/03/2019	त्रैमासिक बैठक में हफ्ते में एक दिन किसी नामित अधिकारी द्वारा कार्यालय के मुख्य सभागार में सभी कर्मचारियों को हिन्दी का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया।
05/04/2019	हिन्दी शब्दों के प्रयोग / उपयोग विषय पर श्री सुमिरन कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक द्वारा सभी कर्मचारियों को हिन्दी का प्रशिक्षण दिया गया।
31/05/2019	कार्यालय प्रमुख डा संजना शर्म की अध्यक्षता में तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पावर पोएन्ट प्रस्तुतीकरण दिया गया।
07/06/2019	डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में " स्वर और व्यंजन - भाग - I" विषय पर श्री भूपेन्द्र सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक ने हिन्दी कार्यशाला एवं प्रथम त्रैमासिक हिन्दी बैठक में सभी कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिया।
14/06/2019	डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में "स्वर और व्यंजन - भाग - II " विषय पर श्री सुमिरन कुमार, उप विस्फोटक नियंत्रक ने हिन्दी कार्यशाला में सभी कर्मचारियों को हिन्दी प्रशिक्षण दिया गया।
28/06/2019	डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में "राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन एवं संघ की राजभाषा नीति संबंधी प्रमुख बातें" विषय पर श्री भूपेन्द्र सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक (हिन्दी अधिकारी) ने हिन्दी कार्यशाला में व्याख्यान दिया गया ।
01/07/2019	राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिन्दी प्रबोध कक्षाओं के लिए कार्यालय के दो कर्मचारियों को नामित किया गया ।
05/07/2019	डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में "सरकारी कार्यालयों में प्रयोग किए जाने वाले आधिकारिक शब्द" विषय पर उप विस्फोटक नियंत्रक एवं हिन्दी अधिकारी द्वारा कार्यशाला संबोधित कर सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण

दिया गया ।

12/07/2019 “कार्यालय में छुट्टी के लिए प्रार्थना पत्र हिन्दी में कैसे लिखना एवं अनुज्ञप्ति में प्रयोग किए आधिकारिक शब्द” विषय पर डा डी. सी. पाण्डेय, विस्फोटक नियंत्रक एवं उपाध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा हिन्दी कार्यशाला में सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया ।

18/07/2019 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित “स्थापना दिवस” के अवसर पर हिन्दी संगोष्ठी में कार्यालय के हिन्दी अधिकारी एवं उप विस्फोटक नियंत्रक, श्री भूपेन्द्र सिंह और श्रीमती ब्लेसिंग रेबेक्का, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने भाग लिया ।

19/07/2019 डा संजना शर्मा ,उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में तकनीकी विषय “पेट्रोलियम नियम 2002 फ़ार्म -14 अनुज्ञप्ति “ विषय पर डा शेख हुसैन, उप विस्फोटक नियंत्रक द्वारा हिन्दी कार्यशाला में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में व्याख्यान एवं पावर पाएन्ट प्रस्तुतिकरण दिया गया ।

21/7/2019 डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

02/08/2019 “सरकारी कामकाज में हिन्दी का महत्व “ विषय पर डा डी सी पाण्डेय, विस्फोटक नियंत्रक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपाध्यक्ष द्वारा हिन्दी कार्यशाला में उपस्थित हुए सभी कर्मचारियों को व्याख्यान दिया ।

06/09/2019 डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक (कार्यालयाध्यक्ष) महोदया की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा का उद्धाटन कार्यक्रम मनाया गया ।

16/09/2019 कार्यालय प्रमुख डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह में हिन्दी कार्यशाला आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में डा एस विजया, उप महाप्रबंधक, राजभाषा विभाग, एस बी ए., चेन्नई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी । इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने *राजभाषा में कार्य करना हमारा संवैधानिक दायित्व है* विषय पर सभी कर्मचारियों को हिन्दी में व्याख्यान दिया ।

20/09/2019 कार्यालय प्रमुख डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर हिन्दी कार्यशाला को आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा चिट्टी अन्नपूर्णी, प्रोफसर मद्रास विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी । उनके द्वारा एक कार्यशाला आयोजित की गई।

22/10/2019 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 59वीं बैठक में डा संजना शर्मा, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं कार्यालय प्रमुख, श्री मनमीत सिंह, उप विस्फोटक नियंत्रक एवं हिन्दी अधिकारी और श्रीमती ब्लेसिंग रेबेक्का, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने भाग लिया ।

28/10/2019 तकनीकी विषय “एसएमपीवी(यु) नियम“विषय पर डा डी. सी. पाण्डेय, विस्फोटक नियंत्रक

एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति उपाध्यक्ष ने हिन्दी कार्यशाला में सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में व्याख्यान दिया गया ।

31/10/2019 कार्यालय प्रमुख डा संजना शर्म की अध्यक्षता में " राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ "अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिन्दी में शपथ ली ।

03/12/2019 नराकास की सदस्य सचिव डा दिनानाथ सिहं, नराकास एवं उप महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे द्वारा कार्यशाला आयोजित की। उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में हिन्दी भाषा का महत्व विषय पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्याख्यान दिया ।

सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में टिप्पणी / आलेखन एवं छुट्टी का आवेदन पत्र केवल हिन्दी में प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया । इसके अलावा हिन्दी निदेशालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कार्यालय के नामित कर्मचारियों को भाग लेना अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया ।

चेन्नई कार्यालय में आयोजित हिन्दी पखवाडा समारोह की झलकियॉ

हिन्दी पखवाड़ा में आयोजित पोस्टर प्रतियागिता में पुरस्कृत पोस्टर

हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियागिता में प्रथम पुरस्कृत

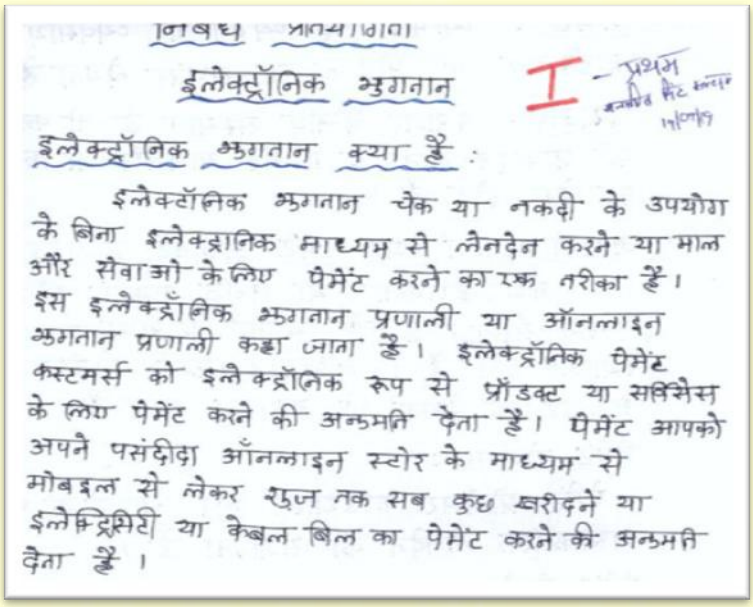

निबंध प्रतियोगिता

I - प्रथम

इलेक्ट्रॉनिक भुगतान

इलेक्ट्रॉनिक भुगतान क्या है :

इलेक्टॉनिक भुगतान चेक या नकदी के उपयोग के बिना इलेक्ट्रानिक माध्यम से लेनदेन करने या माल और सेवाओ के लिए पेमेंट करने का एक तरीका है। इस इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली या ऑनलाइन भुगतान प्रणाली कहा जाता है। इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट कस्टमर्स को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रॉडक्ट या सर्विसेस के लिए पेमेंट करने की अनुमति देता है। पेमेंट आपको अपने पसंदीदा ऑनलाइन स्टोर के माध्यम से मोबइल से लेकर फ्रिज तक सब कुछ खरीदने या इलेक्ट्रिसिटी या केबल बिल का पेमेंट करने की अनुमति देता है।

नराकास की सदस्य सचिव डा. दिनानाथ सिहं, नराकास एवं उप महाप्रबंधक, दक्षिण रेलवे द्वारा कार्यशाला (03/12/2019) की झलकियाँ

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, हैद्राबाद

दिनांक	गतिविधियाँ
11/09/2019	हिन्दी सप्ताह समारोह का शुभारंभ श्री एम के झाला, संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं संगठन प्रमुख, पेसो नागपुर के कर-कमलोंद्वारा और श्री एस एम कुलकर्णी, उ.मु.वि.नि की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। संगठन प्रमुख, पेसो, नागपुर ने हिंदी भाषा की महत्व एवं भाषा को बढावा देने हेतु सभी को हिन्दी में कार्य करने के बारे में उद्बोधित किया।
16/09/2019	माननीय गृहमंत्री, भारत सरकार श्री अमित शाह जी, एवं माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयुष गोयल जी भारत सरकार द्वारा जारी संदेशों का वाचन किया गया।
18/09/2019	डा आर के एस चौहान, वि.नि, हैदराबादराजभाषा से संबंधित कार्यशाला एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री संतोष कुमार, सहायक निदेशक, हिन्दी शिक्षण योजना, केंद्रीय हिन्दी प्रशिक्षण उप-संस्थान हैदराबाद को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, सिवाकासी

गतिविधियाँ

12/09/2019	हिन्दी सप्ताह समारोह तथा पोस्टर प्रतियोगित का शुभारंभ हुआ ।
16/09/2019	हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित किया गया ।
18/09/2019	हिन्दी की दूसरी त्रिमासिक कार्यशाला का आयोजन, समापन समारोह एवं पुरूस्कार वितरण किया गया ।
30/12/2019	कार्यालय उप मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, शिवकाशी एवम ,एफ आर डी सी कार्यालय में वर्ष 2019-2020 की तृतीया हिन्दी सभा एवं हिन्दी कार्यशाला दिनांक 30/12/2019 को सभा कक्ष मे आयोजन किया गया । जिसमे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया । इस अवसर पर दिनांक 30.12.2019 को कार्यालय मे हिन्दी के प्रयोग के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित वर्ष 2019-2020 का वार्षिक कार्यक्रम के बिन्दुओ पर विस्तार से चर्चा की गयी ।

हिन्दी सप्ताह समारोह शुभारंभ- 12.09.2019

हिन्दी सप्ताह अँग्रेजी/तमिल → हिन्दी

अनुवाद प्रतियोगिता - 13.09.2019

हिन्दी सप्ताह हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता - 17.09.2019

तृतीया हिन्दी सभा एवं हिन्दी कार्यशाला

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, विशाखापट्नम

दिनांक	गतिविधियाँ
13/09/2019	हिन्दी सप्ताह समारोह तथा पोस्टर प्रतियोगित का शुभारंभ हुआ ।
16/09/2019 से 19/09/2019 तक	विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।
30/12/2019	हिन्दी समापन कार्यक्रम में श्री एस वी जगन्नाथ कुमार अंतरिक्ष विज्ञान, शास्त्री मौसम विज्ञान, विशाखापट्नम को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रीत किया गया । कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण कर हिन्दी सप्ताह के आयोजन का **सफल समापन** किया गया ।

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक मंगलूर

दिनांक	गतिविधियाँ
20/06/2019	बैंक ऑफ बडौंदा द्वारा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें श्री कृष्ण कान्त कुमार, अवर श्रेणी लिपिक ने भाग लिया।
30/07/2019	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्पोरेशन बैंक मंगलूर द्वारा स्मृति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्री निरज, आशुलिपिक वर्ग -3 ने भाग लिया।
01/08/2019	विभाग की और से नरकास, मगंलूर को वार्षिक अशंदान (2019-20) की राशि रु. 2000/- ऑनलाइन भुगतान किया गया।
06/09/2019	भारतीय स्टेट बैंक मंगलूर में हिन्दी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें श्री निरज, आशुलिपिक वर्ग -3 ने भाग लिया।

19/11/2019 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्पोरेशन बैंक, मंगलूर में 67वीं अर्द्धवार्षिक बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें कार्यालय की और से श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव, विस्फोटक नियंत्रक और श्री प्रशातं यादव, उप विस्फोटक नियंत्रक, ने भाग लिया।

09/12/2019 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्पोरेशन बैंक मंगलूर द्वारा एक दिवसीय संयूक्त हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री निरज, आशुलिपिक वर्ग-3 ने भाग लिया।

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, एर्नाकुलम कोच्चि

कार्यालय उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, एर्नाकुलम में राजभाषा के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से दि. 4/09/2019 से 20/09/2019 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। दि. 14/09/2019 को हिन्दी दिवस के अवसर पर डा. आर. वेणुगोपाल, उप मुख्य विस्फोटक द्वारा हिन्दी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने हिन्दी में मसौदा लेखन एवं टिप्पणी लेखन की अनिवार्यता के बारे में बताया। सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी समापन कार्यक्रम में डा. पी. के. राणा, विस्फोटक नियंत्रक की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन किया गया। डा. राधिका देवी, सहायक निदेशक(राजभाषा) हिन्दी शिक्षण योजना, कोचीन मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थी । कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण किया गया और हिन्दी सप्ताह आयोजन का सफल समापन किया गया।

पेसो, नागपुर को वर्ष 2017-2018 के लिए प्राप्त नराकास पुरस्कार

कार्यालय मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेसो, नागपुर को वर्ष 2017-2018 हेतु नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नागपुर के तत्वाधान में पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लि., नागपुर द्वारा **राजभाषा कार्यान्वयन के उत्कृष्ट प्रयोग के लिए द्वितीय पुरस्कार तथा हिन्दी गृह पत्रिका विस्फोटक दर्पण हेतु प्रथम पुरस्कार** प्रदान किया गया।

इन पुरस्कारों को कार्यालय के श्री एस. डी. मिश्रा, विस्फोटक नियंत्रक एवं संपर्क हिन्दी अधिकारी और डॉ (श्रीमती) वैशाली एस. चिरडे, हिन्दी अधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया ।

इस समारोह में कार्यालय की हिन्दी अधिकारी **श्रीमती वैशाली चिरडे** को राजभाषा हिन्दी के सफल कार्यान्वयन एवं नराकास सदस्य कार्यालयों में सक्रिय योगदान हेतु वर्ष 2017-18 हेतु **राजभाषा सेवा सम्मान** प्रदान किया गया।

इस समारोह में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के कार्यालय के 2 सफल कर्मचारी- श्री विकास एवं श्री शुभम कुमार गुप्ता को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर नराकास संपादक मंडल एवं कार्याकारी सदस्या के योगदान के लिए संगठन की हिन्दी अधिकारी श्रीमती वैशाली चिरडे को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

सं.मु.वि.नि., आगरा की उपलब्धि

वर्ष 2018-2019 में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग एवं कार्यान्वयन के लिए नगर स्थित समस्त केन्द्रीय कार्यालयों में पेसो, आगरा को प्रदत्त प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए कार्यालयाध्यक्ष डा.ए.पी.सिंह, उप-मुख्य विस्फोटक नियंत्रक एवं श्री निशान्त मृदुल, उप-विस्फोटक नियंत्रक (राजभाषा अधिकारी)

वि.नि., देहरादून की उपलब्धि

वर्ष 2018-2019 के लिए विस्फोटक नियंत्रक, देहरादून कार्यालय को क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उत्तरी क्षेत्र-2) द्वारा केंद्रीय सरकार के कार्यालयों (10 से कम कार्मिकों वाले) की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार हेतु नामित किया गया है।